संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 185
पृष्ठ 8
गुरूवार
26 मार्च 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- एक महीने डाइट से बाहर कर...

विचार- बच्चे के जन्म पर पिता को भी...

खेल- भारत के पूर्व क्रिकेटर का बड़ा आरोप...

मुख्यमंत्री योगी बोले-

2017 से पहले सरकारी खजाना लूटती, माफिया को संरक्षण देती थी सरकार

बहराइच, संवाददाता। सीएम योगी आदित्यनाथ बुधवार को एक दिवसीय कार्यक्रम के तहत बहराइच पहुंचे। यहां उन्होंने महिरपुरवा तहसील अंतर्गत भरतापुर गांव के 136 विस्थापित परिवारों के 500 गरीब–वंचित अभिवर्ग के लोगों के पुनर्वास की योजना का शुभारंभ किया। यहां सीएम ने विपक्ष पर जमकर हल्ला बोला। योगी आदित्यनाथ ने कहा– 2017 के पहले समाज को जातीय चश्मे से देखा जाता था। तब की सरकार सिर्फ एक ही परिवार के विकास के बारे में सोचती थी। सरकारी खजाने को लूटा जाता था, सिर्फ एक ही परिवार के उत्थान में लगाया जाता था। तब सरकार को बहराइच के भरतापुर के इन गरीब यादव, दलित और अनुसूचित जाति के लोगों का ख्याल नहीं आता था। उनके प्रति कोई संवेदना नहीं थी। जब ये लोग सत्ता में आते हैं तो सिर्फ

एक परिवार तक सीमित हो जाते हैं। पर भाजपा सरकार आपदा में सेवा, सेवा में संवेदना और संवेदना में समाधान के एजेंडे के साथ काम कर रही है। इसी के तहत भरतापुर गांव के 500 अभिवंचित लोगों को 21 करोड़ 55 लाख रुपए से पुनर्वास कराया जा रहा है। जंगल से हटाकर एक बेहतरीन कॉलोनी में बसाया जा रहा है। जिसका नाम भरतपुर रखा जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया नवंबर 2025 में इसी भरतापुर गांव में बाजार से खरीदारी करके लौट रही एक नाव सरयू नदी में बह गई थी। जिसमें 9 लोगों की मौत हो गई थी। मैंने तत्काल जनप्रतिनिधियों और प्रशासन की टीम को भेजा, दर्जनों लोगों को बचाया गया, पर 9 लोगों की जान हम नहीं बचा सके। प्रशासन की रिपोर्ट के बाद मैंने खुद क्षेत्र का मुआयना किया। यहां की स्थिति देखकर मेरी रूह कांप गई। मैंने देखा– यहां कई परिवार बीहड़ जंगल में रह रहे हैं। एक तरफ हाथी, बाघ, तेंदुए का खतरा है तो दूसरी ओर नदी में मगरमच्छों की कई खतरनाक प्रजातियां हैं। इन खतरों के बीच कई पीढ़ियों से ये परिवार रहने को मजबूर हैं। मैंने तभी इन परिवारों को बेहतर और बेखौफ जीवन देने का निर्णय ले लिया था। इसी के तहत इन्हें अब मोतीपुर तहसील में पुनर्वास कराया जा रहा है। यहां इन्हें एक बेहतरीन कॉलोनी बनाकर बसाया जाएगा। स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र, पार्क जैसी सभी सुविधाएं मिलेंगी। सीएम ने बताया भरतापुर की तरह ही बहराइच के अन्य 6 वन्य गांवों को हम राजस्व गांव में विकसित कर चुके हैं। अन्य जिलों में भी ये प्रयास जारी हैं। सीएम ने बताया भरतापुर गांव के लोगों के लिए इस योजना के तहत प्रत्येक परिवार को 748 वर्गफुट जमीन का पट्टा। आवास निर्माण के लिए करीब 17.70 लाख रुपए और अन्य सुविधाओं के लिए 3.55 लाख रुपए प्रति परिवार दिया गया है। डीएम बहराइच को निर्देश दिया गया है कि बेतरतीब ढंग से नहीं बेहतरीन ढंग से इस कॉलोनी का निर्माण कराया जाए। हमारी कोशिश रहेगी कि अभियान के तहत काम करते हुए शारदीय नवरात्रि तक इस कॉलोनी का निर्माण कर लाभुकों का गृहप्रवेश कराया जाए। सीएम ने कहा हमने बहराइच से राजधानी की कनेक्टिविटी को भी आसान किया है। मैं 12 साल पहले कार से बहराइच आया था तो मुझे दो घंटे लगे थे। फिर हमने डबल लेन रोड बनवाई, अब ये सफर सवा घंटे में होता है। अब इस रोड को फोन लेन करने जा रहे हैं।

गुजरात में यूसीसी बिल पास, अमित शाह बोले-

समान अधिकार हमारा संकल्प है

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात द्वारा समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक, 2026 पारित किए जाने की सराहना करते हुए इसे भारत के सभी नागरिकों के लिए समानता सुनिश्चित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया। 31 जनवरी, 2026 को शाह ने एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से प्रत्येक नागरिक के लिए एक समान कानून के प्रति भारतीय जनता पार्टी की प्रतिबद्धता को दोहराया। शाह ने कहा कि भाजपा की स्थापना से ही यह संकल्प रहा है कि देश के प्रत्येक नागरिक के लिए एक समान कानून हो। मोदी के नेतृत्व में भाजपा की राज्य सरकारें इस दिशा में लगातार आगे बढ़ रही हैं। मुझे खुशी है कि उत्तराखंड के बाद गुजरात ने भी समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक पारित करके ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है और इस प्रकार अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है। उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और विधेयक का समर्थन करने वाले सभी विधायकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इसके लिए मैं मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और इस विधेयक का समर्थन करने वाले सभी विधायकों को बधाई देता हूं। देश का संचालन तुष्टीकरण के आधार पर नहीं, बल्कि सभी नागरिकों के लिए समान कानूनों के आधार पर होना चाहिए दृ यही हमारी प्राथमिकता और हमारा संकल्प है। इससे पहले, भूपेंद्र पटेल ने विधेयक पारित होने पर राज्य विधानसभा के सभी सदस्यों और गुजरात के नागरिकों को भी बधाई दी। एक ट्वीट में उन्होंने इस घटना को गुजरात और राष्ट्र दोनों के लिए एक ऐतिहासिक क्षण बताया।

इस विधेयक के पारित होने के साथ ही गुजरात, धर्म या समुदाय की परवाह किए बिना विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और दत्तक ग्रहण से संबंधित व्यक्तिगत कानूनों को नियंत्रित करने वाला एक समान कानूनी ढांचा लागू करने वाला दूसरा भारतीय राज्य बन गया है। पटेल ने कहा कि समान नागरिक संहिता के लागू होने से राज्य में सभी धर्मों और समुदायों के लिए विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और दत्तक ग्रहण जैसे मामलों में एक समान कानूनी ढांचा स्थापित होगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह विधेयक सभी धर्मों और जातियों की महिलाओं के लिए समान अधिकारों को सुनिश्चित करता है, जिससे उनकी गरिमा और सुरक्षा को बढ़ावा मिलता है। पटेल ने कहा कि यह सुनिश्चित करेगा कि सभी धर्मों और जातियों की महिलाओं को समान अधिकार प्राप्त हों, जिससे उनकी गरिमा और सुरक्षा और मजबूत होगी।

संकट पर सरकार अलर्ट, कहा-

समुद्री व्यापार पर नहीं पड़ा कोई असर

नई दिल्ली,एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच भारत सरकार ने साफ किया है कि देश के नागरिकों और नाविकों की सुरक्षा पूरी तरह सुनिश्चित है। सरकार लगातार हालात पर नजर रख रही है और हर जरूरी कदम उठा रही है। शिपिंग मंत्रालय और विदेश मंत्रालय दोनों स्तर पर निगरानी तेज कर दी गई है। खाड़ी क्षेत्र में हालात संवेदनशील जरूर हैं, लेकिन भारत ने अपने लोगों को सुरक्षित रखने और व्यापार को जारी रखने के लिए मजबूत व्यवस्था बनाई है। सरकार के मुताबिक पिछले 24 घंटों में किसी भी भारतीय जहाज या नाविक से जुड़ी कोई घटना सामने नहीं आई है। फारस की खाड़ी में मौजूद 20 भारतीय जहाज और उनमें सवार 540 भारतीय नाविक पूरी तरह सुरक्षित हैं। इसी दौरान 50 भारतीय नाविकों को सुरक्षित वापस भारत लाया गया है। बंदरगाहों पर काम सामान्य चल रहा है और कहीं भी जाम या रुकावट की खबर नहीं है। इससे साफ है कि भारत ने समुद्री गतिविधियों को स्थिर बनाए रखा है। शिपिंग मंत्रालय ने बताया कि सभी प्रमुख बंदरगाहों जैसे जवाहरलाल नेहरू पोर्ट, कांडला, वीजाग और अन्य जगहों पर स्थिति सामान्य है। मुंद्रा पोर्ट ने भी बड़ा कदम उठाते हुए मिडिल ईस्ट जाने वाले कंटेनरों के लिए 15 दिन की फ्री स्टोरेज दी है। इसके अलावा कई चार्ज में छूट दी गई है। इससे व्यापार पर असर कम करने की कोशिश की जा रही है और कंपनियों को राहत मिल रही है। विदेश मंत्रालय के अनुसार 28 फरवरी से अब तक करीब 4 लाख 26 हजार लोग खाड़ी क्षेत्र से भारत लौट चुके हैं। इसके लिए 2,149 उड़ानों का संचालन किया गया है। यूएई, ओमान और सऊदी अरब से लगातार फ्लाइट्स चल रही हैं। कतर का हवाई क्षेत्र आंशिक रूप से खुला है और वहां से भी उड़ानें शुरू हो गई हैं।

वित्त विधेयक लोकसभा से पारित, निर्मला सीतारमण बोलीं-

भारत रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार

नई दिल्ली,एजेंसी। वित्त विधेयक 2026 लोकसभा में 32 सरकारी संशोधनों को शामिल करने के बाद पारित हो गया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि भारत तेजी से सुधारों के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि देश में सुधार किसी मजबूरी में नहीं, बल्कि स्पष्ट सोच, आत्मविश्वास और प्रतिबद्धता के साथ किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भारत रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार है और लगातार आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का फोकस भरोसे पर आधारित टैक्स सिस्टम बनाने पर है, जिसके तहत ईमानदार करदाताओं के लिए परेशानियां कम की जा रही हैं। टैक्स प्रशासन को अधिक पारदर्शी और आसान बनाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। वित्त मंत्री ने आम लोगों को राहत देने के लिए 17 जरूरी जीवनरक्षक दवाओं को बेसिक कस्टम ड्यूटी से मुक्त करने का भी एलान किया। इससे इन दवाओं की कीमतें कम होने की उम्मीद है और मरीजों को सीधा फायदा मिलेगा। छोटे करदाताओं के लिए भी प्रक्रिया को आसान बनाया गया है। अब कम या शून्य टीडीएस सर्टिफिकेट पाने के लिए नियम–आधारित ऑटोमेटेड ऑनलाइन सिस्टम लागू किया गया है, जिससे समय और जटिलता दोनों कम होंगे।

इसके अलावा, सीतारमण ने स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार द्वारा वसूले गए सेस और सरचार्ज से अधिक राशि राज्यों के लिए विभिन्न योजनाओं के तहत खर्च की जा रही है, जिससे राज्यों को वित्तीय सहयोग मिलता है। उन्होंने कहा कि एमएसएमई, किसान और सहकारी क्षेत्र रोजगार सृजन और उत्पादन के केंद्र में हैं, इसलिए सरकार इन क्षेत्रों को सशक्त बनाने के लिए कई कदम उठा रही है। वित्त विधेयक में ऐसे प्रावधान किए गए हैं जो इन सेक्टर्स के लिए तरलता बढ़ाने, अनुपालन बोझ कम करने और अर्थव्यवस्था में उनकी भागीदारी बढ़ाने में मदद करेंगे। सरकार ने सहकारी क्षेत्र को मजबूत करने और छोटे सदस्यों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से बड़ा फैसला लिया है। बुधवार को सरकार ने राष्ट्रीय सहकारी संघों (नेशनल कोऑपरेटिव फेडरेशंस) की डिविडेंड आय पर तीन साल तक टैक्स छूट देने की घोषणा की।

वित्त मंत्री ने कहा कि समावेशी विकास के लिए इन क्षेत्रों को सशक्त बनाना बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि खासकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था में ये क्षेत्र अहम भूमिका निभाते हैं और विभिन्न उद्योगों में रोजगार के अवसर पैदा करते हैं। इसके अलावा, वित्त विधेयक में डेटा सेंटर सेवाओं से जुड़ा एक नया प्रावधान भी शामिल किया गया है। सेफ हार्बर नियम के तहत, भारत की कंपनियों को अपनी संबंधित विदेशी इकाइयों को सेवाएं देने पर लागत का 15 प्रतिशत मार्जिन रखने की अनुमति दी जाएगी। इससे भारत में वास्तविक और लाभकारी कारोबार को बढ़ावा मिलेगा तथा शेल कंपनियों पर रोक लगेगी।

भूमि अधिग्रहण के मुआवजे और उस पर ब्याज वित्तीय बोझ पर निर्भर नहीं-सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि भूमि अधिग्रहण मामलों में उचित मुआवजे की सांविधानिक गारंटी को कम नहीं किया जा सकता। अदालत ने स्पष्ट किया कि क्षतिपूर्ति और ब्याज वित्तीय बोझ की मात्रा पर निर्भर नहीं हो सकते। शीर्ष अदालत ने नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) की समीक्षा याचिका खारिज कर दी। एनएचएआई ने 4 फरवरी, 2025 के फैसले की समीक्षा मांगी थी। इस फैसले में कहा गया था कि 2019 का निर्णय पूर्वव्यापी रूप से लागू होगा। 2019 के फैसले में एनएचएआई अधिनियम के तहत अधिग्रहित भूमि के किसानों को मुआवजा और ब्याज देने की बात

थी। पीठ ने कहा कि भूस्वामियों को देय ब्याज भूमि अधिग्रहण अधिनियम के अनुसार नौ फीसदी होगा। यह एनएचएआई अधिनियम के पांच फीसदी की सीमा के अनुसार नहीं होगा। एनएचएआई ने दावा किया था कि वित्तीय देनदारी 29,000 करोड़ रुपये होगी। पहले यह राशि 100 करोड़ रुपये बताई गई थी। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि वित्तीय देनदारी का अनुमान समीक्षा का वैध आधार नहीं है। हालांकि, पीठ ने कहा कि उसके पिछले निर्णयों को सीमित स्पष्टीकरण की आवश्यकता है। यह निर्णय के दायरे और प्रभाव की सुसंगत समझ सुनिश्चित करने के लिए है। यह निर्विवाद है कि राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम के तहत अधिग्रहित भूमि के भूस्वामी क्षतिपूर्ति और ब्याज के हकदार हैं। ये उचित मुआवजे का हिस्सा हैं। कोर्ट ने कहा कि सभी भूस्वामियों के दावे एक समान नहीं हैं। कई मामलों में भूस्वामियों ने मुआवजे या लाभ बढ़ाने के लिए विभिन्न उपाय किए हैं। अदालत का मानना है कि अंतिम रूप से तय किए गए दावों को दोबारा खोलने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

शहर समता विचार मंच द्वारा ऑनलाइन काव्य गोष्ठी ईद/नवरात्रि उपलक्ष्य में सफलतापूर्वक सम्पन्न

प्रयागराज। शहर समता विचार के तत्वावधान में आयोजित गूगल मीट द्वारा काव्य गोष्ठी रचना सक्सेना की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस काव्यगोष्ठी में सीमा वर्णिका मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रही।

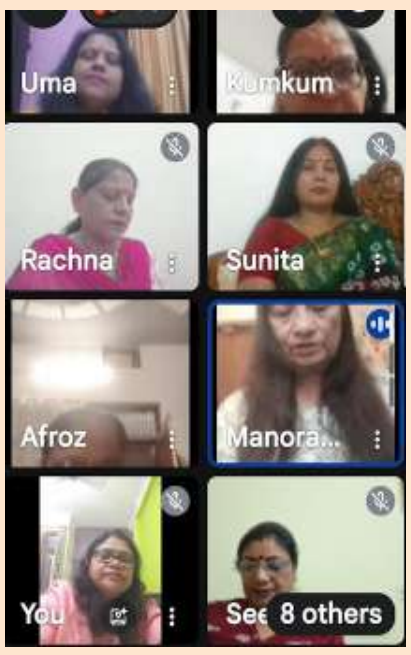

काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती माँ की प्रतिमा पर माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति उमा मिश्रा। काव्य गोष्ठी का संयोजन एवं संचालन उमा मिश्रा प्रीति ने किया।

काव्य गोष्ठी में अनीता दुबे, अफ़रोज़ अज़ीज़, सरिता कपूर, श्रद्धा श्रीवास्तव, मंजू लता नागेश, साधना खरे, शशि जायसवाल, डॉ ऋतु पांडे, छाया सक्सेना, संतोष मिश्रा, सुनीता मिश्रा, नीता शर्मा, मीना कुमारी परिहार, डॉ अर्चना जैन, आशा जाकड़, डॉ कुमकुम शुक्ला, अनुराधा गर्ग, डा. योगिता सिंह, उमा लखनवी, मनोरमा श्रीवास्तव, सुनीता जौहरी, सुनीता गुप्ता।

रचनाकार बहनों ने सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दिये। धन्यवाद ज्ञापन उमा मिश्रा प्रीति ने किया।

महाराष्ट्र में एसिड अटैक पीड़ितों की पहचान बताना अपराध होगा ऑनलाइन छेड़छाड़ पर भी रोक, बिल पारित

मुंबई,एजेंसी। महाराष्ट्र विधान परिषद ने महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े एक अहम कानून को मंजूरी देकर सख्त रुख दिखाया है। एसिड अटैक पीड़ितों की पहचान पूरी तरह सुरक्षित रखने और ऑनलाइन यौन उत्पीड़न पर कड़ी सजा देने के लिए राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। यह कानून ऐसे अपराधों पर रोक लगाने और पीड़ितों को सम्मान के साथ जीने का अधिकार देने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सरकार का कहना है कि यह कानून महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों को रोकने में मदद करेगा। इस कानून के

तहत भारतीय न्याय संहिता (महाराष्ट्र संशोधन) विधेयक 2026 को सर्वसम्मति से पास किया गया। इससे पहले यह विधेयक विधानसभा से भी पारित हो चुका था। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि 2020 में शक्ति बिल लाया गया था, जिसे राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा गया था, लेकिन बाद में इसे वापस भेज दिया गया। इसके बाद केंद्र सरकार ने नया कानून बनाया, जिसे भारतीय न्याय संहिता कहा जाता है और यह जुलाई 2024 से लागू है।

सरकार ने एक समिति बनाई थी, जिसने जांच की कि शक्ति कानून के कौन–कौन से प्रावधान नए कानून में शामिल हैं। समिति की सिफारिश के बाद दो अहम बदलाव किए गए। पहला, एसिड अटैक पीड़ितों का नाम तक सार्वजनिक नहीं किया जाएगा। इससे उनकी पहचान पूरी तरह सुरक्षित रहेगी। दूसरा, अब ईमेल, सोशल मीडिया जैसे डिजिटल माध्यम से किसी महिला को यौन प्रस्ताव देना अपराध माना जाएगा। इसके लिए तीन साल तक की जेल और जुर्माने का प्रावधान रखा गया है। सरकार का मानना है कि पहले कानून में कुछ खामियां थीं, जिनके कारण पीड़ितों की पहचान उजागर होने का खतरा बना रहता था।

संसद में अब 28-29 मार्च को नहीं होगी कोई बैठक-किरेन रिजिजू

नई दिल्ली,एजेंसी। संसद वित्त वर्ष 2026–27 के लिए बजट प्रक्रिया को अंतिम रूप देने की दिशा में अग्रसर है, क्योंकि इसका लक्ष्य 27 मार्च को वित्त विधेयक 2026 को मंजूरी देना है। यह मंजूरी लोकसभा में सफल पारित होने के बाद मिली है, जिसके बाद अब उच्च सदन में इस पर विचार किया जाएगा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने आगामी दिनों के कार्यक्रम में हुए बदलावों के बारे में राज्यसभा सदस्यों को जानकारी दी और सरकार के एजेंडे से संबंधित प्रश्नों के उत्तर दिए। हालांकि आम तौर पर शुक्रवार का दिन निजी विधेयकों के लिए आरक्षित होता है, लेकिन इस शुक्रवार को वित्त विधेयक को प्राथमिकता दी जाएगी।

डीएसपी अनुज चौधरी समेत अन्य पुलिसकर्मियों पर एफआईआर के आदेश पर रोक की अवधि बढ़ी

प्रयागराज। संभल हिंसा मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने तत्कालीन सीओ अनुज चौधरी समेत अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के रोक के आदेश को आगे बढ़ा दिया है। मामले की सुनवाई अब 21 अप्रैल को होगी। इलाहाबाद हाईकोर्ट से संभल हिंसा मामले में तत्कालीन सीओ अनुज चौधरी सहित 22 पुलिसकर्मियों को फिलहाल बड़ी राहत मिल गई है। उनके खिलाफ मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत (सीजेएम कोर्ट) के एफआईआर दर्ज करने के आदेश पर हाईकोर्ट की ओर से लगाई गई रोक को फिलहाल अगले आदेश तक के लिए बढ़ा दिया गया है। यह आदेश समित गोपाल की एकल पीठ ने दिया है। संभल जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान नवंबर 2024 को हिंसा मामले में तत्कालीन सीओ अनुज चौधरी, पूर्व थानेदार अनुज तोमर सहित 22 पुलिसकर्मियों के खिलाफ सीजेएम कोर्ट ने एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था। इसके खिलाफ अनुज चौधरी व राज्य सरकार की ओर से हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। 10 फरवरी को अपने आदेश में हाईकोर्ट ने सीजेएम के आदेश पर रोक लगाने का अंतरिम आदेश पारित किया था। मामले की सुनवाई के लिए 24 मार्च की तिथि मुकर्रर की थी। मंगलवार को इस मामले में हुई सुनवाई के बाद कोर्ट ने एफआईआर दर्ज करने के रोक के आदेश को फिलहाल अगली तिथि तक बढ़ा दिया है। मंगलवार को जब मामले की सुनवाई हुई तो शिकायतकर्ता के वकील ने जवाबी हलफनामा दाखिल किया। इसके बाद न्यायालय ने याचिकाकर्ता के वकील को इस पर जवाब दाखिल करने के लिए समय दिया। न्यायालय ने पहले दिए गए अंतरिम आदेश को बढ़ा दिया और अगली सुनवाई की तारीख 21 अप्रैल तय कर दी है। अपनी याचिका में यामीन ने आरोप लगाया कि 24 नवंबर, 2024 को सुबह लगभग 8रू45 बजे, उनका बेटा आलम संभल के मोहल्ला कोट क्षेत्र में जामा मस्जिद के पास अपनी ठेली पर रस्क और बिस्कुट बेच रहा था, तभी नामजद पुलिस अधिकारियों ने भीड़ पर जान से मारने की नीयत से अचानक गोलियां चला दीं। यामीन की याचिका में संभल के तत्कालीन सीओ अनुज चौधरी और संभल कोतवाली प्रभारी अनुज कुमार तोमर का नाम है। अपने 11 पृष्ठ के आदेश में सीजेएम सुधीर ने टिप्पणी की थी कि पुलिस आपराधिक कृत्यों के लिए आधिकारिक कर्तव्य का बहाना नहीं बना सकती। सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों का हवाला देते हुए सीजेएम ने कहा कि किसी व्यक्ति पर गोली चलाना आधिकारिक कर्तव्यों का निर्वहन नहीं माना जा सकता। प्रथम दृष्टया संज्ञेय अपराध होने की संभावना को देखते हुए, मुख्य न्यायाधीश ने कहा था कि सच्चाई का पता केवल उचित जांच के माध्यम से ही लगाया जा सकता है।

पार्टियों में मतभेद खत्म तो ट्रायल का कोई मतलब नहीं, पॉक्सो मामले में कार्रवाई रद्द

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि आरोपी और पीड़िता ने मतभेद खत्म कर शादी कर ली तो ट्रायल का कोई मतलब नहीं रह जाता। इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति अवनीश सक्सेना की एकल पीठ ने आरोपी के खिलाफ मुरादाबाद के भोजपुर थाने में दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट में दर्ज मुकदमे की पूरी कार्यवाही रद्द कर दी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि आरोपी और पीड़िता ने मतभेद खत्म कर शादी कर ली तो ट्रायल का कोई मतलब नहीं रह जाता। इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति अवनीश सक्सेना की एकल पीठ ने आरोपी के खिलाफ मुरादाबाद के भोजपुर थाने में दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट में दर्ज मुकदमे की पूरी कार्यवाही रद्द कर दी। पीड़िता के पिता ने 20 मई 2020 को आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पुलिस ने मामले में जून 2020 को चार्जशीट भी दाखिल कर दी थी। मुकदमा ट्रायल कोर्ट में लंबित है। याची ने कार्यवाही रद्द करने की मांग कर हाईकोर्ट में अर्जी दायर की थी। याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि आरोपी और पीड़िता एक ही गांव के थे और उनके बीच प्रेम संबंध था। उस समय दोनों नाबालिग थे। बाद में दोनों ने शादी कर ली है। पीड़िता के पिता और आरोपी के बीच समझौता हो गया है, जिसे ट्रायल कोर्ट ने जनवरी 2026 को सत्यापित भी कर दिया है।

भरण–पोषण न देने पर जेल जाने से खत्म नहीं होती देनदारी, कोर्ट ने वसूली का दिया आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि पत्नी या बच्चों को भरण–पोषण न देने पर किसी व्यक्ति को जेल भेजे जाने से उसकी आगे की मासिक देनदारी या बकाया भुगतान की जिम्मेदारी समाप्त नहीं होती। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि पत्नी या बच्चों को भरण–पोषण न देने पर किसी व्यक्ति को जेल भेजे जाने से उसकी आगे की मासिक देनदारी या बकाया भुगतान की जिम्मेदारी समाप्त नहीं होती। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति प्रवीण कुमार गिरि की एकल पीठ ने हसीना खातून की याचिका पर सुनवाई करते हुए की। 2019 में मुरादाबाद जिला अदालत के मजिस्ट्रेट कोर्ट ने पति को पत्नी और दिव्यांग बेटे को चार–चार हजार रुपये प्रतिमाह अंतरिम भरण–पोषण देने का आदेश दिया था। पति ने भुगतान नहीं किया, जिससे 2,64,000 रुपये बकाया हो गए। इस पर पत्नी ने वसूली अर्जी दी, जिसके बाद पति को गिरफ्तार कर 30 दिन के लिए जेल भेज दिया गया।

जेल से रिहा होने के बाद भी भुगतान न करने पर पत्नी ने फिर से वसूली के लिए आवेदन किया। लेकिन, ट्रायल कोर्ट ने यह कहते हुए अर्जी खारिज कर दी कि पति पहले ही 30 दिन की सजा काट चुका है। इसलिए अब वसूली नहीं की जा सकती। हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट का आदेश रद्द करते हुए बकाया राशि की वसूली का नया आदेश पारित करने के निर्देश दिए। साथ ही बकाया रकम पर छह प्रतिशत साधारण ब्याज देने को भी कहा।

सामने आया 'मौत' का वीडियो, एक सप्ताह पहले दी थी लीकेज की सूचना

कोल्ड स्टोर गिरने के मामले में बड़ा खुलासा

प्रयागराज। प्रयागराज के फाफामऊ के चंदापुर गांव में सोमवार को हुए हादसे में बड़ा खुलासा हुआ है। यह हादसा अचानक नहीं हुआ, बल्कि एक बड़ी लापरवाही का नतीजा है। एक सप्ताह पहले लीकेज की सूचना दी गई थी। लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया था।

प्रयागराज में कोल्ड स्टोर के धराशायी होने का 58 सेकंड का वीडियो मंगलवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। हादसे से ठीक पहले ही कुछ लोग वीडियो बनाते दिख रहे हैं। हालांकि, अमर उजाला इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। वीडियो में दिख रहा है कि बिल्डिंग धीरे–धीरे हिल रही है। आसपास मौजूद लोगों ने स्थिति को भांपते हुए वीडियो बनाना शुरू कर दिया। वीडियो में कुछ लोग बोल रहे हैं कि अब बिल्डिंग गिर जाएगी और कुछ ही देर में इमारत भरभराकर गिर गई।

वीडियो से सवाल उठ रहे हैं कि जब लोगों को पता चल गया था कि कोल्ड स्टोर ढहने वाला है तो शोर मचाकर मजदूरों को वहां से निकाला क्यों नहीं गया। फाफामऊ थाना प्रभारी अश्वनी सिंह ने कहा कि हो सकता है कि बिल्डिंग का कुछ हिस्सा पहले गिर गया हो, इसलिए मौके पर मौजूद कुछ लोग वीडियो बनाने लगे।

प्रयागराज के फाफामऊ के चंदापुर गांव में सोमवार को हुए हादसे से मोरहू के मोहरिया निवासी ऑपरेटर जगदीश का परिवार उजड़ गया। जगदीश अपने घर का इकलौता कमाने वाला था। उसके पीछे दो मासूम बेटे, पत्नी, बूढ़ी मां और भाई का भरा–पूरा परिवार है, जो अब बेसहारा हो गया है।

जगदीश की पत्नी साधना देवी के अनुसार यह हादसा अचानक नहीं हुआ, बल्कि एक बड़ी लापरवाही का नतीजा है। साधना देवी ने नम आंखों से बताया कि उसके पति तीन दिन से काफी परेशान थे। पूछने पर बताया था कि कोल्ड स्टोर में लगी गैस की टंकी में लीकेज है, जिसे ठीक नहीं किया जा रहा है।

हादसे के पहले पति जगदीश ने कोल्ड स्टोर के मुंशी राम मूरत को अमोनिया गैस की टंकी में लीकेज होने की जानकारी भी दी थी। उन्होंने खुद बताया था कि गैस रिस रही है, लेकिन किसी ने इसे गंभीरता से नहीं लिया।

मां निर्मला देवी और पिता अशोक कुमार ने बताया कि दो दिन पहले टंकी को ठीक करने के लिए एक व्यक्ति आया था, लेकिन बिना मरम्मत किए ही लौट गया। इसके बावजूद प्रबंधन ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। कहा कि अगर उसी दिन टंकी ठीक हो जाती तो शायद आज हमारे घर का चिराग न बुझता।

बेटे समर और अमर ने कहा कि हादसे में पलभर में सबकुछ खत्म हो गया। गांव में मातम पसरा है और हर आंख नम है। परिजनों ने मामले की निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार लोगों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

ठेकेदार और मुंशी लापता, परिजनों को नहीं मिल रही अपनों की सही जानकारी

फाफामऊ के चंदापुर स्थित कोल्ड स्टोर में हुए हादसे में जान गंवाने वाले और घायल मजदूरों के परिजन अपनों की सही जानकारी के लिए भटक रहे हैं। बिहार के सलखुआ निवासी मृतक सनोज चौधरी के परिजनों का कहना है कि घटना की खबर मिलते ही उन्होंने मजदूरों को बिहार से लाने वाले ठेकेदार बलबीर यादव से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उसका मोबाइल नंबर लगातार बंद आ रहा है।

मजदूरों को कोल्ड स्टोर में लाने वाला बलबीर यादव खुद बिहार के सलखुआ थाना क्षेत्र के पिपरा गांव का निवासी बताया जा रहा है। इसी तरह कोल्ड स्टोर के मुंशी अजीत निवासी बिहार और स्थानीय मुंशी राम मूरत के मोबाइल नंबर भी हादसे के बाद से बंद हैं। इन तीनों के अचानक संपर्क से बाहर होने से परिजनों की चिंता और बढ़ गई है। परिजनों का कहना है कि उन्हें यह तक नहीं पता चल पा रहा है कि उनके अपने किस अस्पताल में भर्ती हैं या उनकी स्थिति कैसी है।

पूर्व मंत्री अंसार अहमद, बेटे–भतीजे को जेल, जिला उद्यान अधिकारी निलंबित

फाफामऊ कोल्ड स्टोर हादसे में मुख्य आरोपी सपा नेता व पूर्व मंत्री अंसार अहमद, उनके बेटे मंजूर व भतीजे अलाउद्दीन को मंगलवार को 14 दिन की न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। वहीं, जिला उद्यान अधिकारी सौरभश्रीवास्तव को प्रथम दृष्टया दोषी मानते हुए निलंबित कर दिया गया। सभी चार मृतकों का पोस्टमार्टम करा दिया गया है, जबकि घायलों की संख्या 14 से बढ़कर 17 हो गई है।

पुलिस ने फाफामऊ के चंदापुर गांव में प्रयागराज–लखनऊ हाईवे पर स्थित आदर्श कोल्ड स्टोर के मालिक अंसार अहमद समेत सात लोगों को नामजद किया है और पांच अज्ञात के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की है। नामजद लोगों में सपा नेता के पुत्र मंजूर, भतीजा एवं कोल्ड स्टोर का साझेदार अलाउद्दीन, प्रबंधक उस्मान समेत मोहम्मद असलम बाबा, जावेद, मोहम्मद इरफान के नाम भी शामिल हैं।

मंगलवार को प्रयागराज आए प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने घटनास्थल का दौरा किया। मंत्री ने बताया कि जिला उद्यान अधिकारी को प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। संयुक्त निदेशक उद्यान के नेतृत्व में तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की गई है, जो दुर्घटना के कारणों की रिपोर्ट एक सप्ताह में देगी। रिपोर्ट आने पर दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सभी शीतगृहों की कराई जाएगी जांच

मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने पुलिस आयुक्त जोगेंद्र कुमार, डीएम मनीष कुमार वर्मा एवं अपर पुलिस आयुक्त अजय पाल शर्मा सहित अन्य अफसरों के साथ बैठक कर राहत एवं बचाव कार्य की समीक्षा की। उन्होंने उद्यान विभाग के अधिकारियों को घटना से सबक लेते हुए सभी संचालित शीतगृहों के मानक की जांच कर आख्या देने के निर्देश दिए।

संचालक को करनी होगी किसानों के नुकसान की भरपाई

कोल्ड स्टोर की इमारत ढहने से किसानों को बड़ा नुकसान हुआ है। बड़ी मात्रा में आलू मलबे में दबकर नष्ट हो गए। मंत्री ने कोल्ड स्टोर में भंडारित किसानों के आलू के मूल्य की भरपाई शीतगृह संचालक से शीघ्र कराने के निर्देश दिए हैं। कोल्ड स्टोर की इमारत ढहने के दूसरे दिन भी राहत व बचाव कार्य जारी रहा। मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल ने डीएम मनीष कुमार वर्मा व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया। मलबे को शीघ्र हटाने के निर्देश दिए हैं। अमोनिया गैस के रिसाव से उत्पन्न चुनौतियों को देखते हुए प्रभावित क्षेत्र में सुरक्षा उपायों को और सुदृढ़ करने व राहत कार्यों को युद्धस्तर पर संचालित करने के निर्देश दिए गए। घायल 17 लोगों का बेली व स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल में उपचार जारी है।

कोल्ड स्टोर हादसे का 58 सेकंड का वीडियो

- हादसा अचानक नहीं हुआ, बड़ी लापरवाही का है नतीजा
- अमोनिया गैस की टंकी में लीकेज होने की दी थी जानकारी
- पूर्व मंत्री अंसार अहमद, बेटे-भतीजे को जेल, जिला उद्यान अधिकारी निलंबित

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को बड़ी राहत, हाईकोर्ट ने पॉक्सो एक्ट में दर्ज मामले में गिरफ्तारी पर लगाई रोक

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और अन्य की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। झूंसी थाने में शंकराचार्य और उनके शिष्य मुकुंदानंद समेत अन्य के खिलाफ नाबालिग बच्चों का यौन शोषण करने के मामले में कोर्ट के आदेश पर एफआईआर दर्ज की गई थी। इसके खिलाफ शंकराचार्य ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और अन्य की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज मुकदमे के मामले में पिछले दिनों सुनवाई करते हुए कोर्ट ने आदेश को सुरक्षित कर लिया था। बुधवार को मामले की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और उनके शिष्य स्वामी प्रत्यक्त चौतन्य मुकुंदानंद गिरि समेत अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी पर रोक लगाने का आदेश जारी किया है। दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित कर लिया था। कोर्ट ने तथ्यों और परिस्थितिजन्य साक्ष्यों को देखते हुए यह निर्णय सुनाया है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की अग्रिम जमानत अर्जी को स्वीकार कर लिया। नाबालिग बच्चों के यौन उत्पीड़न के मामले में ट्रायल कोर्ट प्रयागराज के आदेश पर झूंसी थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है। एक धर्माचार्य के शिष्य की ओर से आशुतोष महाराज ने 173 (4) के तहत एफआईआर दर्ज करने के लिए अर्जी दाखिल की थी। गिरफ्तारी से बचने के लिए स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत के लिए अर्जी दायर की थी। कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद आदेश को सुरक्षित कर लिया था।

बुकिंग 40 फीसदी बढ़ी, आपूर्ति में 25 फीसदी कटौती, कैसे मिले रसोई गैस

प्रयागराज। ईरान–इस्राइल समेत पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष से उपजे एलपीजी संकट के बाद प्रयागराज की गैस एजेंसियों का बैकलॉग तेजी से बढ़ रहा है। एजेंसी संचालकों के अनुसार घरेलू रसोई गैस सिलिंडर की बुकिंग में 40 फीसदी तक की बढ़ोतरी हो गई है।

ईरान–इस्राइल समेत पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष से उपजे एलपीजी संकट के बाद प्रयागराज की गैस एजेंसियों का बैकलॉग तेजी से बढ़ रहा है। एजेंसी संचालकों के अनुसार घरेलू रसोई गैस सिलिंडर की बुकिंग में 40 फीसदी तक की बढ़ोतरी हो गई है, जबकि एजेंसियों को होने वाली सप्लाई में 25 फीसदी तक की कटौती कर ली गई है। एलपीजी आईओसीएल, बीपीसीएल व एचपीसीएल के सेल्स अधिकारियों की ओर से जिला प्रशासन को उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार प्रयागराज में 144 गैस एजेंसियों के मुकाबले 46 गैस एजेंसियों में 14.2 किग्रा के घरेलू रसोई गैस सिलिंडर का बैकलॉग काफी अधिक है। आईओसीएल झूंसी गैस सर्विस की हालत सबसे ज्यादा खराब है। यहां प्रारंभिक स्टॉक 1004 और लंबित डिलीवरी की संख्या 9106 है, यानी बैकलॉग 8102 है।

वहीं, आईओसीएल की शुभ इंडेन एजेंसी का प्रारंभिक स्टॉक 211 है, जबकि लंबित डिलीवरी की संख्या 6200 है। ऐसे में 5989 उपभोक्ता रसोई गैस मिलने की कतार में हैं। आईओसीएल की बसंत गैस सर्विस का प्रारंभिक स्टॉक केवल 78 है, जबकि लंबित डिलीवरी 6162 और बैकलॉग 6074 है। हरिश्चंद्र गैस सर्विस का प्रारंभिक स्टॉक 37, लंबित डिलेवरी 5996 और सिलिंडर मिलने का इंतजार कर रहे उपभोक्ताओं की संख्या 5959 है।

बाकी एजेंसियों की भी कमोवेश यही स्थिति है। एजेंसी संचालकों का कहना है कि जिनके पास दो से तीन सिलिंडर हैं, वे भी बुकिंग की लाइन में लगे हुए हैं। होली के ठीक बाद यह संकट उत्पन्न हो गया। होली पर घरों में एलपीजी काफी ज्यादा खर्च हुई। आगे दिक्कत न हो, इसके लिए बड़ी संख्या में लोगों ने बुकिंग करा ली। बुकिंग तकरीबन 40 फीसदी तक बढ़ गई और एजेंसियों को मिलने वाले लोड में 25 फीसदी तक की कटौती कर दी गई। इसी वजह से बैकलॉग बढ़ गया।

वहीं, उपभोक्ताओं की अपनी तकलीफ है। उनका कहना है कि सिलिंडर की डिलीवरी के 21 दिनों के बाद अगली बुकिंग हो रही है और बुकिंग के बाद डीएसी नंबर आवंटित होने में एक से दो दिन लगे रहे हैं और डीएसी नंबर आवंटन के आठ से 10 दिन बाद सिलिंडर मिल रहा है। अगर बहुत किफायत से चलें तो भी चार से पांच लोगों के परिवार में 22 से 25 दिन में एक सिलिंडर खत्म हो जाता है।

उपभोक्ताओं का कहना है कि एजेंसी में संपर्क करने पर उचित जवाब नहीं मिला। कहा जाता है कि जब लोड आएगा तो सिलिंडर मिल जाएगा।

उधर, आपूर्ति विभाग ने बैठक कर विक्रय अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि नियमित प्लान बनाकर आवश्यकतानुसार प्रतिदिन एजेंसियों को लोड बढ़ाते हुए मांग के सापेक्ष डिपो से शतप्रतिशत डिलीवरी सुनिश्चित कराएं और बैकलॉग तीन दिन में समाप्त कराएं।

नींव की खोदाई के बाद पिलर बांधने के दौरान बगल का मकान ढहा, मजदूर की मौत

प्रयागराज। शहर के साउथ मलाका इलाके में प्लाट के लिए नींव की खुदाई के दौरान बगल का जर्जर मकान धराशायी हो गया। हादसे के बाद चीख पुकार मच गई। फायर ब्रिगेड और एनडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू आपरेशन चलाकर मलबे में दबे लोगों को बाहर निकला। हादसे में एक मजदूर की जान चली गई। कोतवाली थाना क्षेत्र के साउथ मलाका में मंगलवार को एक प्लॉट की नींव की खोदाई के बाद पिलर बांधने के दौरान बगल के जर्जर मकान का एक हिस्सा ढहने से मजदूर विनोद कुमार (40) की मौत हो गई। वहीं, एक अन्य मजदूर शारदा घायल हो गया। घटना के बाद ठेकेदार मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुट गई है। साउथ मलाका के रहने वाले प्रकाश केसरवानी के मकान के बगल में स्थित एक प्लॉट की नींव की खोदाई और बीम बांधने का काम चल रहा था। ठेकेदार की देखरेख में नौ मजदूर काम कर रहे थे। मिर्जापुर जिले के थाना हलिया के भैसोड़ा गांव निवासी मजदूर विनोद भी अपनी पत्नी रन्नो के साथ यहां काम करने आया था। वहीं, शारदा भी उसी के गांव का रहने वाला है। मंगलवार दोपहर करीब तीन बजे प्रकाश केसरवानी के मकान का एक हिस्सा भरभराकर ढह गया।

मजदूर विनोद और शारदा इसकी चपेट में आ गए। सूचना पर डीसीपी नगर मनीष शांडिल्य, एसीपी कोतवाली रवि गुप्ता, कोतवाली प्रभारी संजय राय समेत अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। एसडीआरएफ की मदद से दोनों मजदूरों को बाहर निकालकर अस्पताल भेजा गया, जहां इलाज के दौरान विनोद की मौत हो गई, जबकि शारदा की हालत गंभीर बनी हुई है।

घटना के बाद कोतवाली के अलावा जार्ज टाउन, अतरसुइया समेत कई थानों का पुलिस बल मौके पर पहुंचा। जांच में पता चला कि सभी मजदूर मेडिकल कॉलेज परिसर में ठहरे थे। पुलिस ठेकेदार की तलाश में जुट गई है। वहीं, विनोद की मौत से पत्नी रन्नो का रो–रोकर बुरा हाल रहा। पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवा दिया है। बुधवार को शव का पोस्टमार्टम होगा।

निर्माण कार्य कौन करा रहा था, इसका पता लगाया जा रहा है। मलबे में दबकर एक मजदूर की मौत हुई है। फरार ठेकेदार की तलाश की जा रही है। आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी। – मनीष शांडिल्य, डीसीपी नगर

सुनवाई का अवसर दिए बिना पेड़ों की कटाई के आवेदन को खारिज करना अवैध

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश वृक्ष संरक्षण अधिनियम–1976 के प्रावधान का हवाला दिया। कहा, सुनवाई का अवसर दिए बिना पेड़ों की कटाई के आवेदन को खारिज करना अवैध है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश वृक्ष संरक्षण अधिनियम–1976 के प्रावधान का हवाला दिया। कहा, सुनवाई का अवसर दिए बिना पेड़ों की कटाई के आवेदन को खारिज करना अवैध है। इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की खंडपीठ ने देवरिया के प्रभागीय निदेशक, सामाजिक वानिकी प्रभाग के आदेश को रद्द कर दिया है। याची बिहारी लाल ने 10 सागौन के पेड़ों को काटने के लिए 13 फरवरी 2025 को ऑनलाइन आवेदन किया था। उप प्रभागीय वन अधिकारी की जांच रिपोर्ट में पेड़ों की उपस्थिति की पुष्टि कर कटाई की सिफारिश भी की गई थी। सक्षम प्राधिकारी ने 31 मई 2025 को जमीन से संबंधित विवाद सिविल कोर्ट और हाईकोर्ट में लंबित होने का हवाला देकर उसे खारिज कर दिया।

ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज के दो प्रोफेसरों को मिली धमकी, एफआईआर दर्ज

प्रयागराज। ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज के दो प्रोफेसरों को जानलेवा धमकी दी गई है। स्पीडपोस्ट से भेजी गई चिट्ठी से मिली धमकी के बाद कॉलेज के अन्य प्रोफेसर दहशत में हैं। शिकायत पर कर्नलगंज पुलिस ने मामले में अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज के दो प्रोफेसरों को जानलेवा धमकी दी गई है।

संविलित विद्यालय रेंड़ी में नवारम्भ उत्सव बालवाटिका सम्पन्न

प्रतापगढ़। नोडल संकुल शिक्षक विश्वदीप सिंह से प्राप्त जानकारी के अनुसार जनपद प्रतापगढ़ में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी श्री भूपेन्द्र सिंह जी के निर्देशानुसार लक्ष्मणपुर ब्लॉक के रेंड़ी न्याय पंचायत में स्थित संविलित विद्यालय रेंड़ी में आज दिनाँक 25/03/2026 को शनवारम्भ उत्सव बालवाटिकाश का सकुशल आयोजन किया गया।जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में खण्ड शिक्षा अधिकारी श्री सुरेश कुमार सरोज,विशिष्ट अतिथि के रूप में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि श्री बृजेश कुमार शुक्ल एवं अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में श्री रमेश कुमार शर्मा जी की उपस्थिति रही।कार्यक्रम का सफल संचालन विजय कुमार विश्वकर्मा एवं अध्यक्षता अजय कुमार पटेल ने किया।कार्यक्रम में राम मिलन(प्रभारी प्रधानाध्यापक),अंकिता सेन,विश्वदीप सिंह(नोडल संकुल),आकांक्षा सिंह,अमिता सिंह,शिक्षकों सहित शेष स्टाफ गुलाबपति, सुमन, राजकुमारी,संजना,दयाराम आदि लोगों की सहभागिता रही।

योगी सरकार का बड़ा फैसला, रामनवमी पर यूपी में रहेगा दो दिन का अवकाश

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने रामनवमी के अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ और आस्था को ध्यान में रखते हुए एक महत्वपूर्ण फैसला लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अब 26 मार्च के साथ—साथ 27 मार्च 2026 को भी राज्य में सरकारी छुट्टी घोषित कर दी गई है। इस फैसले के तहत सरकारी दफ्तर, स्कूल, कॉलेज और बैंक बंद रहेंगे। मुख्य रूप से अयोध्या समेत प्रदेश के प्रमुख मंदिरों और शक्तिपीठों में उमड़ने वाली लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए यह कदम उठाया गया है, ताकि सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और दर्शन में किसी प्रकार की असुविधा न हो। सरकार का मानना है कि रामनवमी पर अयोध्या में भक्तों की भारी भीड़ जुटती है, इसलिए छुट्टी बढ़ाना जरूरी हो गया। लोगों की मांग को भी इस फैसले में शामिल किया गया है। इससे त्योहार को और बेहतर तरीके से मनाने में मदद मिलेगी।

एनएसएस शिविर में युवाओं ने लिया समाज सेवा का संकल्प

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ इस्माइलगंज स्थित श्री नर्मदेश्वर शिव मंदिर परिसर में अटल बिहारी वाजपेयी नगर निगम डिग्री कॉलेज की तीनों एनएसएस इकाइयों के सात दिवसीय विशेष शिविर की शुरुआत हुई। उद्घाटन सत्र में युवाओं को समाज सेवा और कड़े परिश्रम का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नेहरू युवा केंद्र के जिला युवा अधिकारी विकास सिंह ने छात्रों में जोश भरते हुए कहा कि सतत साधना और परिश्रम ही सफलता की कुंजी है। मेहनत से न केवल लक्ष्य हासिल होते हैं, बल्कि व्यक्ति का आत्मबल भी मजबूत होता है। उन्होंने स्वयंसेवकों को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझने के लिए प्रेरित किया। कॉलेज के प्रिंसिपल सुभाष चंद्र पाण्डेय ने कहा कि युवाओं के कंधे पर ही देश का भविष्य है। एनएसएस का असली मकसद असहायों को सहारा देना और अशिक्षितों को शिक्षा से जोड़ना है। उन्होंने युवाओं से सरकारी योजनाओं को गांव—गांव और घर—घर तक पहुँचाने की अपील की। उद्घाटन के बाद छात्र—छात्राओं ने पूरे मंदिर परिसर में सफाई अभियान चलाकर श्रमदान किया। इसके बाद आसपास के इलाकों में जागरूकता रैली निकाली गई। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि दुर्गेश त्रिपाठी ने पर्यावरण संरक्षण और भारत माता की सेवा को सर्वोपरि बताया। शिविर के दूसरे सत्र में कार्यक्रम अधिकारियों ने छात्रों को प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत चल रहे फ्री कोर्सेज की जानकारी दी। इस दौरान कार्यक्रम अधिकारी उपेन्द्र कुमार, डॉ. सादिया और डॉ. आशा पाल सहित कॉलेज का स्टाफ और बड़ी संख्या में छात्र मौजूद रहे।

एलयू में प्रवेश प्रक्रिया पर छात्रों का विरोध, निष्पक्ष जांच की मांग

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय एलयू में प्रवेश प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं और धांधली के विरोध में आज छात्रों ने शांतिपूर्ण धरना—प्रदर्शन किया। छात्रों ने एडमिशन डीन के खिलाफ निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग उठाई। इस दौरान छात्रों का एक प्रतिनिधिमंडल कुलसचिव के समक्ष अपनी मांगों को औपचारिक रूप से प्रस्तुत ज्ञापन सौंपा। छात्रों ने स्पष्ट कहा कि प्रवेश प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष होनी चाहिए, ताकि किसी भी विद्यार्थी के साथ अन्याय न हो। आदित्य पांडेय ने कहा लखनऊ विश्वविद्यालय की प्रवेश प्रक्रिया में जिस प्रकार की अनियमितताओं की शिकायतें सामने आ रही हैं, वह अत्यंत चिंताजनक है। हम सभी छात्र केवल यह चाहते हैं कि प्रवेश प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी और निष्पक्ष हो। धरना—प्रदर्शन में मुख्य रूप से आदित्य पांडेय, प्रेम प्रकाश यादव, अनुराग चौधरी, जतिन यादव, सूर्याश आर्यन, अखिलेश, अजितेंद्र आजाद, रूद्रवीर, प्रशांत पाल, आलोक यादव, सुमित और अमित सहित सैकड़ों छात्र उपस्थित रहे।

एसबीआई पेंशन फंड्स ने रिटायरमेंट तैयारी पर दिया जोर, उत्तर प्रदेश में एनपीएस विस्तार तेज

लखनऊ, संवाददाता। नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) के तहत देश की सबसे बड़ी पेंशन फंड मैनेजर एसबीआई पेंशन फंड्स प्राइवेट लिमिटेड ने रिटायरमेंट योजना की बढ़ती आवश्यकता और एनपीएस इकोसिस्टम में हालिया विकासों पर प्रकाश डाला। उत्तर प्रदेश, जहां कार्यबल तेजी से बढ़ रहा है और असंगठित क्षेत्र के कामगारों की बड़ी संख्या मौजूद है, सामाजिक सुरक्षा और पेंशन कवरेज को बढ़ाने की अपार संभावनाएं रखता है। एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक और आर्थिक केंद्र के रूप में लखनऊ वित्तीय जागरूकता बढ़ाने और टियर—2 व टियर—3 शहरों तक पेंशन लाभ पहुंचाने में अहम भूमिका निभा रहा है, जिससे व्यापक स्तर पर रिटायरमेंट सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। एसबीआई पेंशन फंड्स खुदरा और कॉरपोरेट दोनों वर्गों में एनपीएस अपनाने को बढ़ाने पर लगातार ध्यान दे रहा है।

पौध आधारित भोजन स्वास्थ्य व पर्यावरण के लिए बेहतर

प्रयागराज । इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज की राष्ट्रीय सेवा योजना तथा वीगन आउटरीच नामक संस्था के संयुक्त तत्वाधान में फ्फूड—प्लैनेट—हेल्थ विषय पर एक वेबीबार का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ राजेश गर्ग की अध्यक्षता में मंगलवार दिनांक 24 मार्च 2026 को किया गया। कार्यक्रम के संयोजक ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज के एनएसएस प्रभारी डॉ अरविंद कुमार मिश्र के द्वारा वेबिनार का संचालन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में वीगन आउटरीच संस्था से अभिषेक दुबे ने वेबिनार के विषय पर प्रकाश डाला। वक्ता ने बताया कि पशु आधारित भोजन आज वैश्विक स्तर पर पर्यावरण, मानव स्वास्थ्य और पशु पक्षियों के सामने गंभीर संकट उत्पन्न कर रहा है अतः पौध आधारित भोजन की ओर वापस मुड़ने की बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने सभी से ज्यादा से ज्यादा पौध आधारित वीगन भोजन को अपनाकर पर्यावरण, अपने स्वास्थ्य तथा प्राणियों को बचाने की अपील किया। उन्होंने कहा कि एक जिम्मेदारी भरा उपभोग आज संयुक्त राष्ट्र के सस्टेनेबल डेवलपमेंट लक्ष्यों में से एक है चिंता व्यक्त किया कि जिस प्रकार फैक्ट्री फार्मिंग के वजह से जीवों की प्रजातियां तेजी से खत्म हो रही हैं और धरती और बताया कि पौध आधारित भोजन से अपनी आवश्यकता के सारे पोषक पदार्थ प्राप्त करके ज्यादा स्वस्थ रहा जा सकता

और इसपर कार्य करना हम सबकी प्राथमिकता होना चाहिए।

एनएसएस प्रभारी डॉ अरविंद कुमार मिश्र ने कहा कि ये कार्यक्रम विद्यार्थियों को एक पर्यावरण—हितैषी, स्वास्थ्यवर्धक एवं मानवीय भोजन पद्धति अपनाने में बड़ा मददगार होगा और सभी प्रतिभागियों को इससे सीख लेकर जीवनशैली में सुधार अवश्य करना चाहिए। उन्होंने छठवें महाविनाश के दौर से गुजर रही है, ये आने वाले दिनों में तमाम प्राकृतिक चक्रों को बुरी तरह बिगाड़ सकता है जिससे मनुष्य व अन्य प्राणियों के सामने भोजन, पानी आदि की विकराल स्थिति उत्पन्न हो सकती है। वक्ता अभिषेक दुबे ने विस्तार से भोजन का पर्यावरण, मानव स्वास्थ्य व प्राणियों पर पड़ने वाले प्रभाव प्रकाश डाला है और साथ ही जलवायु परिवर्तन, प्रजातियों के विलुप्तिकरण, जंगलों की कटाई, भुखमरी आदि समस्याओं को कम किया जा सकता है। इस कार्यक्रम में इलाहाबाद विश्वविद्यालय एवं संघटक महाविद्यालयों के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी व लगभग 200 एनएसएस स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाएं उपस्थित रहे।

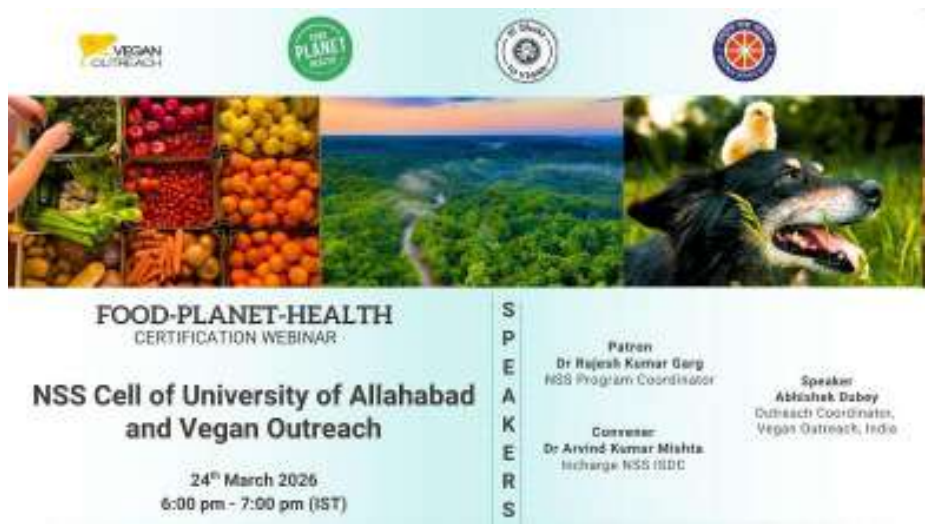

डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन की वार्षिक बैठक संपन्न

बैठक में भारी संख्या में एसोसिएशन के सदस्यों की रही उपस्थिति

प्रयागराज। डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन (डीवीए),प्रयागराज के साधारण सभा के 2025 — 26 की वार्षिक उपस्थिति रही।

बैठक में उपस्थित विभिन्न पदाधिकारियों ने सभा को संबोधित किया। मौके पर कुमार मिश्रा,(अधिवक्ता उच्च न्यायालय) ने सभा की अध्यक्षता की। डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन एसोसिएशन के की वार्षिक बैठक में सर्वसम्मति से किया गया। तत्पश्चात उसी क्रम में एसोसिएशन के महासचिव महोदय ने विभिन्न उप समितियों द्वारा रखे गए प्रस्ताव को मा.सभाध्यक्ष महोदय की अनुमति से वार्षिक आख्या प्रस्तुत किया।

उसी क्रम में कई खेल प्रेमियों ने सभा के समक्ष एसोसिएशन की सदस्यता ग्रहण की। पूर्व निर्धारित एजेंडा के अनुसार एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष के. बी.एल.श्रीवास्तव ने वर्तमान सत्र 2025 — 26 के आय—व्यय का ब्यौरा मदवार प्रस्तुत किया, जिसका अनुमोदन किया गया।

अंत में मा.सभाध्यक्ष महोदय की अनुमति से क्रमशः अन्य कई विषयों पर भी प्रस्ताव प्रस्तुत किये गए, जिसपर विचार विमर्श के पश्चात आगामी सत्र में संचालित किए जाने का संकल्प लिया गया। अंत में मा.सभाध्यक्ष महोदय सुशील मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सभा के समापन की घोषणा की।

बैठक स्थानीय मेजारोड स्थित दुर्गावती इंटरनेशनल स्कूल एंड कॉलेज गोसौरा कलां के सभागार में कल बुधवार 25 मार्च 2026 को संपन्न हुई। जिसमें भारी संख्या में एसोसिएशन के सदस्यों की एसोसिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रभात कुमार राय की उपस्थिति नगण्य रही तथा किन्हीं अपरिहार्य कारणों से अध्यक्ष महोदय की गैर मौजूदगी में सर्वसम्मति से एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुशील महासचिव आर.पी.शुक्ला ने समिति की पिछली कार्यवाही दिनांक 22 मार्च 2026 एवं गत माह संपन्न हुई आम सभा की चुनावी मीटिंग 7 फरवरी 2026 की कार्यवाही पढ़कर सुनाई। जिसका अनुमोदन कल बुधवार

बलदेव ब्लॉक प्रदर्शनी में बेसिक शिक्षा विभाग की योजनाओं का प्रभावी प्रदर्शन

बलदेव। प्रदेश सरकार की 'सेवा, सुरक्षा एवं सुशासन' की नीति के नौ वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर विकास खंड बलदेव सभागार में खण्ड विकास अधिकारी नेहा रावत की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित किए गए। ब्लॉक स्तरीय प्रदर्शनी में बेसिक शिक्षा विभाग ने अपनी विभिन्न उपलब्धियों, योजनाओं और नवाचारों का प्रभावी प्रदर्शन किया। खण्ड विकास अधिकारी नेहा रावत ने कहा कि महिलाएं सरकारी योजनाओं से खुद आत्म निर्भर बन कर दूसरों को रोजगार दे रही हैं।इस अवसर पर विभिन्न विभागों को अपने कार्यों का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला। प्रदर्शनी में लगाए गए स्टॉल के माध्यम से ऑपरेशन कायाकल्प, डीबीटी, निपुण भारत मिशन, स्कूल चलो अभियान, माता उन्मुखीकरण कार्यक्रम, मिशन शक्ति, इको क्लब फॉर मिशन लाइफ, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, पीएम ई—विद्या कार्यक्रम, कन्या सुमंगला योजना तथा प्रोजेक्ट अलंकार जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी आम जनमानस, ग्राम प्रधानों और अन्य आगंतुकों को दी गई। विशेष रूप से मिशन शक्ति 6.0 के अंतर्गत बालिकाओं के सशक्तिकरण, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता से जुड़े विभिन्न मॉडल, चार्ट एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की उपलब्धियां स्टॉल पर आकर्षण का केंद्र रहीं। साथ ही नवीन नामांकन को बढ़ावा देने के लिए चलाए जा रहे जनजागरूकता अभियानों की भी विस्तृत जानकारी दी गई। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा बालिका सशक्तिकरण एवं समावेशी शैक्षिक वातावरण को मजबूत करने के लिए किए जा रहे प्रयासों को सराहा गया। प्रदर्शनी में पहुंचे आगंतुकों ने विभाग की योजनाओं और नवाचारों में गहरी रुचि दिखाई, जिससे शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सकारात्मक प्रभाव देखने को मिले। इस अवसर पर ग्राम प्रधान पटलौनी लाखन सिंह, ग्राम सचिव कौशल सिंह, शिक्षा विद डॉ जगदीश पाठक, सुजीत वर्मा आदि रहे।

सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल की प्रदर्शनी 'मास्करेड ऑफ आर्ट' में दर्शकों का स्वागत

लखनऊ, संवाददाता। सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल, लखनऊ का परिसर इन दिनों कल्पना और रचनात्मकता के रंगों से सजा हुआ है, क्योंकि विद्यालय की वार्षिक कला प्रदर्शनी 'मास्करेड ऑफ आर्ट' अब आम जनता के लिए खुल गई है। 24 मार्च से शुरू हुई इस प्रदर्शनी में शहर भर से अभिभावकों, विद्यार्थियों और कला प्रेमियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिल रही है। यह प्रदर्शनी केवल एक प्रदर्शन नहीं, बल्कि एक अनोखा कलात्मक अनुभव है। यहाँ हर कलाकृति भावनाओं को छूती है और हर रचना बच्चों की असीम कल्पनाशक्ति को दर्शाती है। प्रदर्शनी में कला की विभिन्न शैलियों का सुंदर संगम देखने को मिलता है। इसमें बारीकी से बनाए गए कथकली मास्क, जनजातीय कला से प्रेरित कृतियाँ, और आधुनिक पाश्चात्य डिजाइन शामिल हैं, जो पहचान और संस्कृति के विषयों को दर्शाते हैं।

सवेरा आ जाएगा

(छप्पय)

इम्तिहान है आज समझ कर चलना भाई।
महँगी है हर चीज मगर मत कहना भाई।
दूध—दही का त्याग नीर से नाता जोड़ो।
हिम्मत से लोग काम व्यर्थ की बातें छोड़ो।
मधुर करो संबंध को छोड़ रार की बात को।
आएगी प्यारी सुबह खत्म करेगी रात को।।

घना कुहासा देख कदम मत रोको भाई।
धीरे रखना चाल अधिक मत सोचो भाई।
कुछ दिन की है बाद सवेरा आ जाएगा।
घर होगा गुलजार वक्त सबको भाएगा।
केवल बस केवल यही कहना होगा लाज़मी।
आएगी वह सुबह चहकेगा फिर आदमी।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

कांग्रेस कब्जा संस्कृति की पर्याय बन चुकी है : केशव मौर्य

लखनऊ, संवाददाता। दिल्ली में कांग्रेस के पुराने मुख्यालय 24 अकबर रोड को खाली करने के नोटिस के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि फ्कांग्रेस कब्जा संस्कृति की पर्याय बन चुकी है। बुधवार को सोशल मीडिया के जरिये उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अपने नए मुख्यालय में शिफ्ट होने के बावजूद पुराने दफ्तर को खाली नहीं कर रही है, जबकि उसे सरकार को वापस कर देना चाहिए था। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस की ऐसी नीतियां गलत संदेश देती हैं और इससे प्रशासनिक व्यवस्था पर भी असर पड़ता है। गौरतलब है कि एस्टेट विभाग ने कांग्रेस को 24 अकबर रोड स्थित अपने पुराने मुख्यालय को 28 मार्च तक खाली करने का नोटिस दिया है। यह परिसर करीब 48 वर्षों तक कांग्रेस का केंद्रीय मुख्यालय रहा है। कांग्रेस ने पिछले वर्ष अपना नया मुख्यालय इंदिरा भवन में स्थानांतरित कर लिया था। इसके बावजूद पुराने दफ्तर में पार्टी की गतिविधियां जारी रहने की बात सामने आई है।

इकलौते बेटे का शव घर में लटका मिला

लखनऊ, संवाददाता। पारा थाना क्षेत्र स्थित आवास विकास कॉलोनी बीबीखेड़ा में इकलौते बेटे का शव घर में लटका मिला। वह साड़ी के फंदे के सहारे कमरे में छत के हुक से लटका था। पुलिस ने इसे प्रथमदृष्टया आत्महत्या का मामला बताया है। सूचना मिलने पर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। कंट्रोल रूम से मिली सूचना के बाद हंसखेड़ा चौकी प्रभारी मुन्ना लाल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। मृतक की पहचान शिवम गोंड (32) पुत्र दिवंगत दिनेश गोंड के रूप में हुई। वह बीबीखेड़ा (मीमांसा स्कूल के पास) आवास विकास कॉलोनी में 10 दिन पहले ही शिफ्ट हुआ था। परिजनों को घटना की जानकारी होने पर उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा खुलवाकर शव को फंदे से नीचे उतारा। आत्महत्या के पीछे के कारणों का अभी तक स्पष्ट रूप से पता नहीं चल पाया है। पुलिस परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। पुलिस मामले के अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है ताकि घटना की असली वजहों का पता लगाया जा सके।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. टीएमसी/सीपीओएच/प्रया./25-26/10 दिनांक: 24.03.2026

ई-निविदा सूचना

उप मुख्य इंजीनियर/टीएमसी/सीपीओएच/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदा निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 20.04.2026 समय 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:-

निविदा नं. : टीएमसी-सीपीओएच-प्रया-15-25-26

कार्यों का विवरण : सीपीओएच कार्यशाला, प्रयागराज में कार्य अनुसूची के अनुसार हाइड्रोलिक पंप, मोटर, सिलेंडर तथा वाल्व (जिसमें प्रोपोर्शनल एवं सर्वो वाल्व शामिल हैं) के परीक्षण हेतु यूनिवर्सल हाइड्रोलिक टेस्ट बेंच की आपूर्ति, स्थापना एवं कमीशनिंग का कार्य।

अनुमानित मूल्य (रू.) : 15222000.00	कार्य समापन की अवधि : 09 माह
बयाना राशि (रू.) : 226100.00	निविदा खुलने की तिथि : 20.04.2026

निविदा प्रपत्र की लागत (रू.) : निल

पात्रता मानदंड के लिए समान कार्य : भारतीय रेल नेटवर्क पर ट्रैक मशीनों में उपयोग किए जा रहे हाइड्रोलिक पंप, मोटर, वाल्व एवं सिलेंडर के OEM (मूल उपकरण निर्माता) या उनके अधिकृत डीलर, या ट्रैक मशीनों के OEM।

नोट:- 1. उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.ireps.gov.in पर क्रमशः समय 15:00 बजे तक निविदा खुलने की तिथि तक उपलब्ध रहेगा। 2. उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप से बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको I.T. Act - 2000 के अन्तर्गत C.C.A. द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेन्सियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर, यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4. माल एवं/अथवा सेवाओं के सप्लायर/ठेकेदार समय-समय पर निर्धारित जी.एस.टी. एक्ट तथा नियमों के अन्तर्गत होंगे। 5. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। 6. निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट www.ncr.indianrailways.gov.in. पर भी अपलोड कर दिया गया है। 7. निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं बयाने की राशि केवल नेट बैंकिंग अथवा गेटवे भुगतान अथवा GCC में निर्धारित नियम के अनुसार ही स्वीकार की जायेगी। 8. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 9. आन लाइन निविदा दिनांक 20.04.2026 समय 15:00 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। 10. प्रशासनिक कारणों से इसी कार्य हेतु जारी निविदा संख्या TMC-CPOH-PRYJ-14-25-26 जो कि दिनांक 02.04.2026 को खोला जाना निर्धारित था, को रद्द कर दिया गया है। 668/26 (AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.: 12220252026 दिनांक: 24.03.2026

ई-निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक / इंजीनियरिंग / उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदाएँ निर्धारित प्रपत्र पर **दिनांक 17.04.2026** को 13.30 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:-

क्र.सं.: 1	निविदा नं.: 272
कार्य का विवरण: सहायक मण्डल अभियंता टूंडला के अधीन जल रिसाव से बचाव के लिए आरयूबी/एलएचएस में सुधार और अन्य विविध कार्य।	
अनुमानित मूल्य (रू.): ₹ 23374999.97	बयाने की रकम (रू): ₹ 467500.00
कार्य समापन की अवधि: 12 माह	निविदा खुलने की तिथि: 17.04.2026
सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार: किसी भी प्रकार के पुल निर्माण/पुनर्निर्माण या मरम्मत का कार्य।	
क्र.सं.: 2	निविदा नं.: 273
कार्य का विवरण: सहायक मण्डल अभियंता अलीगढ़ के अधीन अलीगढ़-चिथियाना खंड में जल रिसाव से बचाव और अन्य विविध कार्यों के लिए आरयूबी में सुधार का कार्य।	
अनुमानित मूल्य (रू.): ₹ 26783979.73	बयाने की रकम (रू): ₹ 535700.00
कार्य समापन की अवधि: 12 माह	निविदा खुलने की तिथि: 17.04.2026
सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार: किसी भी प्रकार के पुल निर्माण/पुनर्निर्माण या मरम्मत का कार्य	

नोट:- (1) ई-निविदा प्रपत्र सभी निविदादाताओं को निःशुल्क निर्गत किये जायेंगे। (2) उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित IREPS वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खुलने की तिथि **दिनांक 17.04.2026** समय 13:30 बजे तक उपलब्ध है। (3) उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको I. T. Act-2000 के अन्तर्गत C.C.A. द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (4) निविदादाता अपनी निविदा के साथ निर्धारित प्रोफार्मा पर प्रमाणपत्र जैसा निविदा पत्र में उल्लिखित है, प्रस्तुत करेंगे, जिसके अभाव में उनकी निविदा अविचारणीय होगी तथा निरस्त कर दी जायेगी। (5) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। (6) निविदादाता को जी.सी.सी. अप्रैल 2022 भाग-I के पैरा 10 से 18 के अनुपालन में उल्लिखित आवश्यक दस्तावेजों को निविदा के साथ अनिवार्य रूप से संलग्न करना है अन्यथा उनकी निविदा अपूर्ण मानी जायेगी एवं तदनुसार अविचारणीय होगी। 662/26(A)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

युद्ध सभ्य मानव समाज पर एक बदनुमा धब्बा

विश्व की सर्वोच्च एवं श्रेष्ठ संसद संयुक्त राष्ट्र का उद्देश्य राष्ट्रों के आपसी तनाव व विवादों का समाधान करना, युद्धों को रोकना, मानव विकास का पथ प्रदर्शक बनना तथा शांति स्थापित करना है। परंतु इसके प्रयासों के बावजूद कई राष्ट्राध यक्ष वार्तालाप और कूटनीति की बजाय युद्धों से अपने स्वार्थ हल करने में लगे हुए हैं। युद्धों की सोच हैरतअंगेज, अफसोसनाक, चिंताजनक और मानव समाज को घोर अंधेरे की तरफ बढ़ा रही है। शक्तिशाली देश रूस और यूक्रेन पिछले 4 वर्षों से युद्ध की आग में धधक रहे हैं। अढ़ाई वर्षों से इसराईल और हमास में घमासान है तथा अब अमरीका एवं इसराईल ने ईरान पर आक्रमण करके मध्य एशिया में एक नई मुसीबत खड़ी कर दी है, जिसके परिणामस्वरूप ईरान के ध ार्मगुरु के अलावा मासूम और निर्दोष लोग मारे जा रहे हैं। यही हाल इसराईल में भी हो रहा है। ईरान ने सऊदी अरब, यू.ए. ई., कुवैत, कतर, बहरीन, ओमान पर आक्रमण करके युद्ध का एक नया अध्याय शुरू कर दिया है। इससे विश्व में खाद्य पदार्थों, तेल, गैस और अन्य चीजों की भारी किल्लत से महंगाई बढने लगी है। इससे कई छोटे देशों में अराजकता फैलने का खतरा पैदा हो रहा है। यद्यपि यू.एन. एक मजबूत संगठन है, परंतु यह केवल प्रस्ताव पारित करने वाली संस्था बनकर रह गया है। जबकि इसे प्रभावशाली भूमिका निभा कर युद्ध बंद करवाने चाहिएं।

ईरान और इसराईल भी कभी मित्र देश थे। ईरान तेल देता था और इसराईल हथियार। परंतु 1979 में इस्लामिक क्रांति से रजा पहलवी के प्रगतिशील और उदारवादी समाज के स्थान पर रूढ़ीवादी और अनुदारवादी समाज की स्थापना कर दी गई तथा इसराईल का नामोनिशान मिटाने के नारे लगने लगे। ईरान ने लेबनान में हिजबुल्ला, गाजा में हमास और यमन में हूथी आतंकवादी संगठनों की खुलकर हथियारों और धन से मदद करनी शुरू कर दी, जो इसराईल के अस्तित्व के लिए खतरा बन रहे थे। दूसरा, ईरान एटमी शक्ति बनने की तैयारी कर रहा था, जिससे इसराईल ही नहीं, बल्कि सऊदी अरब और आसपास के छोटे देशों के लिए भी एक नया खतरा पैदा हो रहा था। तीसरा, सऊदी अरब को यह डर था कि शक्तिशाली ईरान कहीं इस्लाम के धार्मिक पवित्र स्थान मक्का और मदीना पर ही कब्जा न कर ले। चौथा, राष्ट्रपति ट्रम्प वेनेजुएला की तरह ईरान के तेल पर भी कब्जा करना चाहते हैं। यह लड़ाई सऊदी अरब और ईरान की है। सुन्नी बहुल और शिया मुस्लिम के वर्चस्व की है। इसराईल अपने अस्तित्व को सुरक्षित रखना और अमरीका अपनी शक्ति का फायदा उठाना चाहता है। ट्रम्प ने ईरान पर हमले से पहले उसकी शक्ति को कमतर आंका था। ट्रम्प ने नाटो देशों और चीन से जंगी जहाजों की मदद मांगी है ताकि होर्मुज से तेल, गैस और अन्य वस्तुओं से भरे जहाजों को निकाला जा सके। परंतु सबने सहयोग देने से साफ इंकार कर दिया है। ट्रम्प ईरान को घुटनों पर लाना चाहता है, परंतु उसके विरोधी उसे ही घुटनों पर लाने की कोशिश कर रहे हैं। युद्ध के दौरान भारत ने ईरान के साथ–साथ खाड़ी देशों के साथ भी वार्तालाप जारी रखा और ईरान को भारी मात्रा में युद्ध में हुए जख्मी लोगों के लिए जहाज भरकर दवाइयां भेजीं, जबकि 56 मुस्लिम देशों में से किसी ने भी किसी तरह की कोई सहायता नहीं की। मुश्किल की घड़ी में भारत ने तुर्की और अन्य देशों की भी मदद की है। युद्ध किसी मसले का हल नहीं है। ये तबाही और बर्बादी के कारण बनते हैं। प्रथम विश्व युद्ध में (1914–1918) अढ़ाई करोड़ और दूसरे विश्व युद्ध में (1939–1945) 5 करोड़ तथा इनसे पहले बर्बर चंगेज खां और तैमूर लंग ने 7 करोड़ से अधि ाक लोगों को कत्ल करवा दिया था। हकीकत में युद्ध सभ्य मानव समाज पर एक बदनुमा धब्बा है। इससे सदा के लिए छुटकारा पाने के लिए विश्व में एक नई सोच विकसित की जानी चाहिए। इस संबंध में एक शे'र नजर करता हूं–आदमी खुद को कभी यूं भी सजा देता है, अपने दामन से खुद शोलों को हवा देता है मुझे उस सियासतदान की सियासत पर तरस आता है, शांति की बजाय जो युद्ध को तरजीह देता है।

बच्चे के जन्म पर पिता को भी अवकाश मिले

क्षमा शर्मा

हाल ही में उच्चतम न्यायालय मातृत्व अवकाश से जुड़ी एक याचिका पर सुनवाई कर रहा था। मामला गोद लेने के मामले में अवकाश का था। भारत में मातृत्व अवकाश 6 महीने का है। दुनिया में यह सबसे अधिक अवधि है। याचिका में 1961 के मैटनटी एक्ट की ध ारा 5(4) को चुनौती दी गई थी। याचिका में कहा गया था कि गोद लेने की प्रक्रिया तक में 3 महीने से अधिक का समय लग जाता है। ऐसे में बच्चे की उम्र 3 महीने से अधिक बढ़ सकती है। ऐसे में यदि कामकाजी मां को छुट्टी ही नहीं मिलेगी, तो वह अपने शिशु की देखभाल कैसे करेगी? ऐसी तमाम बातों का संज्ञान लेते हुए अदालत ने 2024 में सरकार से जवाब मांगा था। इसके अनुसार, यदि कोई महिला बच्चा गोद लेती है, तो उसे 12 सप्ताह की छुट्टी तभी मिलेगी, जब बच्चा 3 महीने से कम उम्र का हो। जबकि मातृत्व अवकाश के तहत महिला को प्रसव से 6 हफ्ते पहले और 6 हफ्ते बाद तक की छुट्टी का प्रावधान है। ऐसे में गोद लेने वाली मां को ऐसी सुविधा से वंचित क्यों किया जाए, क्योंकि बच्चे की देखभाल उसे ही करनी होगी। यदि मां अकेली है तो कठिनाई और भी है। गोद लेने वाली मां की छुट्टियों पर बात करते हुए अदालत ने यह भी कहा कि सरकार को पितृत्व अवकाश के लिए भी कानून बनाना चाहिए। बात भी सही है। यदि बच्चे को पालने की जिम्मेदारी माता–पिता दोनों की है, तो मां के साथ–साथ पिता को भी छुट्टी मिलनी ही चाहिए। ऐसा क्यों मान लिया गया है कि बच्चे की देखभाल में पिता की कोई भूमिका ही नहीं होती, इसलिए उसे छुट्टी की कोई जरूरत नहीं। अदालत ने इस मसले पर सुनवाई करते हुए यह भी कहा कि बच्चे को पालने में मां की भूमिका महत्वपूर्ण होती है लेकिन पिता की भूमिका को भी नकारा नहीं जा सकता। अब वह जमाना भी नहीं रहा जब परिवार बड़े होते थे। बच्चे के जन्म या उसे गोद लेने के बाद उसे पालने की जिम्मेदारी सिर्फ माता–पिता की ही नहीं होती थी। घर के अन्य सदस्य, जैसे दादा–दादी, चाचा–चाची, ताऊ–ताई, उनके बाल–बच्चे, यहां तक कि अड़ोसी–पड़ोसी भी, सभी शिशु को पालने में मदद करते थे। महानगरों में ऐसी मुश्किलें बहुत दिखाई देती हैं, जहां युवा दम्पति प्रायः अकेले रहते हैं। इसका एक कारण तो यह है कि वे अपने–अपने शहर, गांव से दूर यहां रोटी कमाने आए हैं। इसके अलावा बहुत से परिवार किसी न किसी कारणवश अपने परिवार से अलग रहते हैं। अब भी देश में इतनी संख्या में डे केयर सैंटर नहीं हैं, जिनके भरोसे बच्चों को पाला जा सके। इसके अलावा यह भी है कि बहुत से डे केयर सैंटर बहुत छोटे बच्चों को अपने यहां नहीं रखते। तब बच्चे की 24 घंटे देखभाल की जिम्मेदारी माता–पिता पर ही आ जाती है। यदि माता–पिता नौकरी करते हैं तो छुट्टी लेना भी टेढ़ी खीर होती है। फिर गोद लेने के बाद तमाम तरह की मुश्किलें खड़ी होती हैं। बच्चे को नए वातावरण में पालना, उसे सुरक्षा देना, उसकी सही देखभाल करना आदि बहुत–सी बातें ऐसी हैं, जिन्हें माता–पिता को मिलकर उठाना पड़ता है। जिस दफ्तर में लम्बे समय तक काम किया, उसमें दो–तीन लड़कियां ऐसी थीं, जो सिंगल थीं लेकिन उन्होंने बच्चों को गोद लिया हुआ था। वे अक्सर अपनी मुश्किलों के बारे में बताया करतीं। कई बार इस बात पर परेशान भी होतीं कि कहीं बच्चा गोद लेकर कोई गलती तो नहीं की, क्योंकि दफ्तर की मारामारी को झेलने के बाद बच्चे की देखभाल करना, वह भी सिर्फ अपने बल पर, एक कठिन काम था। इनमें से सभी ने लड़कियां गोद ली थीं। लड़कियों के मामले में अपने समाज में एक बड़ा सच तो यह है ही कि वे ज्यादा असुरक्षित हैं। ऐसे में ये स्त्रियां छुट्टी होने के बाद, बिना रुके घर की तरफ भागती थीं। यदि कोई जरूरी मीटिंग हो गई तो इनकी चिंता का कोई ठिकाना नहीं रहता था, क्योंकि किसी को डे केयर सैंटर के बंद होने का डर रहता, तो किसी को घरेलू सहायिका के चले जाने का। आपको याद होगा कि एक जमाने में अविवाहित लड़कियां बच्चा गोद नहीं ले सकती थीं, बाद में अदालत के हस्तक्षेप के बाद ही इस कानून में सुधार किया गया। एक परिवार ऐसा भी था, जहां पति–पत्नी दोनों एक ही जगह काम करते थे।

देर से आए और दुरुस्त नहीं आए

21 मार्च को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शाम साढ़े चार बजे के करीब सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखी कि रुपये का डॉलर के मुकाबले कमजोर होकर 100 की तरफ बढ़ना और इंडस्ट्रियल फ्यूल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी – ये सिर्फ आंकड़े नहीं, आने वाली महंगाई के साफ संकेत हैं। सरकार चाहे इसे श्नॉर्मलश बताए, लेकिन हकीकत ये है कि उत्पादन और ट्रांसपोर्ट महंगे होंगे, लघु और अतिलघु उद्योगों (एमएसएमई) को सबसे ज्यादा चोट लगेगी, रोजमर्रा की चीजों के दाम बढ़ेंगे, विदेशी निवेशकों का पैसा और तेजी से बाहर जाएगा, जिससे शेयर बाजार पर दबाव बढ़ेगा, यानी हर परिवार की जेब पर इसका सीध ाा और गहरा असर पड़ना तय है। और यह सिर्फ वक्त की बात है – चुनाव के बाद पेट्रोल, डीजल, एलपीजी की कीमतें भी बढ़ा दी जाएंगी। राहुल गांधी ने आगे लिखा कि मोदी सरकार के पास न दिशा है, न रणनीति – सिर्फ बयानबाजी है। सवाल यह नहीं कि सरकार क्या कह रही है– सवाल यह है कि आपकी थाली में क्या बचा है। शनिवार को लिखी इस पोस्ट के बाद नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को आकर संसद में मध्यपूर्व में चल रहे युद्ध पर सरकार के नजरिए को सामने रखा। हालांकि युद्ध 28 फरवरी से चल रहा है और इस बीच संसद सत्र भी जारी ही था, तो प्रधानमंत्री के सामने पहले भी मौका था कि वे फौरन संसद से देश को संबोधि ात करते और बताते कि इस कठिन वक्त में वे देश को कौन सी राह पर आगे बढ़ाने वाले हैं। लेकिन यहां भी उन्हें संभवतरू इंतजार था कि राहुल गांधी कुछ कहें तो वे आगे बढ़ें। हमेशा यही होता है। राहुल गांधी जिन मुद्दों को उठाते हैं, सरकार पहले उनका मजाक उड़ाती है, बाद में उसी पर आगे भी बढ़ती है। जाति जनगणना को स्वीकार करना या किसान आंदोलन में आखिरकार मानना कि कोई कमी रह गई है ये सब उसी के उदाहरण हैं। बहरहाल, प्रध ाानमंत्री ने सोमवार को जो कुछ संसद में कहा, उससे देश की मौजूदा समस्याओं के हल को लेकर कोई आस नहीं बंधी, दूसरी तरफ इस युद्ध को लेकर जो स्पष्ट नजरिया उन्हें रखना चाहिए था, उसमें भी वे चूक गए। युद्ध सही नहीं है या संवाद से समाधान निकालें, जैसे उपदेश देने का वक्त अब नहीं रहा। बल्कि नरेन्द्र मोदी के सामने पूरा मौका था कि वे अपनी संसद में, अपने ही लोगों के बीच, सुरक्षा की चाक चौबंद व्यवस्था के दायरे में अमेरिका और इजरायल को कहते कि ईरान पर युद्ध छेड़कर आपने ठीक नहीं किया। आपको किसी देश की संप्रभुता को चोट पहुंचाने का कोई हक नहीं है। नरेन्द्र मोदी ऐसा करते तो शायद आज विपक्ष भी उनके साथ ही खड़ा होता और इससे पूरी दुनिया में भारत की आवाज फिर से बुलंद होती। लेकिन मोदी ऐसा अनूठा मौका चूक गए। बल्कि वे अयातुल्लाह खामेनेई और मीनाब के प्राथमिक स्कूल में मारी गई बच्चियों की हत्या की निंदा भी न कर सके, न ही उन्हें श्रद्धांजलि दी। ऐसा करने से पिछली कई गलतियां माफ हो सकती थीं। नरेन्द्र मोदी ने ये भी नहीं बताया कि जब वे 26 फरवरी को इजरायल में थे, तो क्या उन्हें भनक नहीं थी कि ईरान पर कोई हमला होने वाला है, या इजरायल क्या सोच रहा है।

वहां की संसद में जाकर हमास की आलोचना जब मोदी कर सकते हैं और गजा पर चुप रह सकते हैं, तब भी क्या नेतन्याहू को उन पर इतना भरोसा नहीं हुआ कि वह दो दिन बाद क्या होने वाला है, इस बारे में मोदी को संकेत दे सकें। फिर ट्रंप या नेतन्याहू के साथ घनिष्ठ मित्रता के दावे मोदी कैसे कर सकते हैं। नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को संसद में कहा कि इस युद्ध ने भारत के सामने भी अप्रत्याशित चुनौतियां खड़ी कर दी हैं।

पानी का मित्र प्रबन्ध करें

पानी ही जीवन है – बढ़कर पानी का सम्मान करें।
अपने संग औरों का जीवन – आओ हम आसान करें।।

बरसात निकट है आने को इसके पहले जल स्रोतों को।
तैयार करें भरने लायक – मिल जुलकर हम श्रमदान करें।।

करदें खेतों की मेढ़बन्द ताकि पानी बर्बाद न हो।
अपने–अपने सब हिस्सों की जिम्मेदारी प्रतिभाग करें।।

अपनी हम स्वयं जरूरत भर पानी का मित्र प्रबन्ध करें।
जिसकी कर रहे प्रतीक्षा हैं – बर्बाद न वक्त महान करें।।

हो सुखदमयी सबका भविष्य मिल जुलकर अपना काम करें।
जो चूक गया पक्षतायेगा – हर गाँव गली आहान करें।।

समाज शेखर (समाजिक कार्यकर्ता)
महासचिव–भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान
नामित सदस्य– जिला भू गर्भ जल परिषद प्रतापगढ

संपर्क– भयहरणनाथ धाम, कटरा गुलाब सिंह, प्रतापगढ
शिविर कार्यालय– MIG–2, गोविन्दपुर, प्रयागराज,
मो०– 7007976231

मोबाइल के जाल में फंसते छात्र–छात्राएं इस्तेमाल पर रोक लगाना जरूरी!

विजय कुमार

हालांकि मोबाइल फोन के अनेक लाभ हैं परंतु इसके जाल में फंसने वाले छात्र–छात्राओं द्वारा इसके अनुचित इस्तेमाल से कई तरह की समस्याएं पैदा होने के कारण दुनिया भर में स्कूली बच्चों के मोबाइल फोन इस्तेमाल को लेकर चिंता बढ़ रही है। अश्लीलता का प्रसार करने और लोगों, विशेषकर बच्चों के हाथ में मोबाइल आने से उनमें 'पोर्न' देखने तथा अन्य अपराध करने की प्रवृत्ति में भारी वृद्धि हो रही है। यहां तक कि सोशल मीडिया पर पोर्न देख कर बच्चों द्वारा बलात्कार किए जाने तक की घटनाएं हो चुकी हैं। इसी कारण अनेक देशों ने बच्चों द्वारा मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है जिनमें से चंद देश निम्न में दर्ज हैं' ब्रिटेन के शिक्षा मंत्रालय ने छात्रों के व्यवहार और पढ़ाई पर एकाग्रता को बेहतर बनाने के लिए स्कूलों में मोबाइल फोनों के इस्तेमाल पर पूर्ण रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। इस आदेश के उल्लंघन पर न सिर्फ छात्र का मोबाइल फोन जब्त कर लेने का निर्देश दिया गया है, बल्कि इस आदेश का पालन यकीनी बनाने के लिए अध्यापकों को बच्चों के बैग सख्तीपूर्वक जांचने का अधिकार भी दिया गया है। स्पेन सरकार ने भी अब बच्चों को 14 की बजाय 16 वर्ष की उम्र तक पहुंचने के बाद ही सोशल मीडिया इस्तेमाल करने की इजाजत देने का फैसला किया है। इसके अलावा स्पेन सरकार ने कुछ ऑनलाइन गेम्स पर भी सख्त कानून की योजना बनाई है। नार्वेजियन मीडिया रिपोर्टों के अनुसार 10 वर्ष की आयु तक पहुंचते–पहुंचते अधिकांश बच्चे सोशल मीडिया इस्तेमाल करने लगते हैं। इसी कारण सरकार ङ्क्षचतित है कि इतनी कम उम्र में बच्चे वर्चुअल दुनिया के गुलाम बनते जा रहे हैं, जिसे तुरंत रोकने की आवश्यकता है। बच्चों को ऑनलाइन धोखाधड़ी और बुरे प्रभाव से बचाने के लिए जर्मनी में 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों को सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने के लिए अपने माता–पिता की सहमति लेनी होती है। इटली में मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने के लिए 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए अपने माता–पिता की अनुमति लेना आवश्यक है। चीन में सोशल मीडिया और इंटरनैट पर सबसे सख्त नियंत्रण है। वहां की सरकार बच्चों को अनुशासित और देशभक्त नागरिक बनाने के लिए उनका डिजीटल जीवन भी नियंत्रित करती है। चीन में 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को सप्ताह में मात्र 3 घंटे ऑनलाइन गेम्स खेलने की इजाजत है। साथ ही सोशल मीडिया और उस पर डाली जाने वाली सामग्री (कंटैंट) की कड़ी निगरानी की जाती है। आस्ट्रेलिया, फ्रांस तथा कुछ अन्य देशों में कई सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स या तो प्रतिबंधित हैं या उन पर कड़ी निगरानी रखी जाती है। म्यांमार और उत्तर कोरिया में इंटरनैट और सोशल मीडिया पर लगभग पूर्ण प्रतिबंध है। ऐसे हालात में 'यूनेस्को' के 'वैश्विक शिक्षा निगरानी दल' (जी.ई.एम.) ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा है कि क्लास में ध्यान कम होना, ऑनलाइन उत्पीडन और डिजीटल माध्यमों का बच्चों पर बढ़ता असर देखते हुए दुनिया के आधे से अधिक देशों के स्कूलों में मोबाइल फोनों के इस्तेमाल पर राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंध लागू कर दिया गया है। जून, 2023 में केवल 24 प्रतिशत देशों में ही यह प्रतिबंध लागू था, जो 2025 में बढ़कर 40 प्रतिशत और मार्च, 2026 तक बढ़ कर 58 प्रतिशत हो गया है। रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि सोशल मीडिया का बच्चों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। भारत में भी कर्नाटक तथा हिमाचल प्रदेश आदि चंद राज्यों ने स्कूलों में छात्रों द्वारा मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाया है, परंतु इतना ही काफी नहीं है, समूचे देश में ही किशोर–किशोरियों द्वारा मोबाइल फोनों के इस्तेमाल पर रोक लगाने की तुरंत आवश्यकता है ताकि छात्र–छात्राओं को सोशल मीडिया के इस्तेमाल के बुरे प्रभावों से बचाया जा सके।

दिल्ली में आयोजित अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल में शामिल होंगी हेमा मालिनी, धर्मेंद्र को दी जाएगी श्रद्धांजलि

> शाम के कार्यक्रम में विक्की कौशल, सान्या मल्होत्रा, सिद्धांत चतुर्वेदी, अनुपम खेर और लॉरेन गॉटलिब जैसे सेलेब्स नजर आएंगे। इस मंच पर सिनेमा से जुड़ी बातचीत और चर्चा होगी।

हेमा मालिनी अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल दिल्ली 2026 में शामिल होने का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं। बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में यह फिल्म फेस्टिवल शुरू हुआ। इस फिल्म फेस्टिवल में हेमा मालिनी के पति और मशहूर अभिनेता धर्मेंद्र को विशेष श्रद्धांजलि भी दी जाएगी। हेमा मालिनी ने एएनआई से बातचीत करते हुए कहा, 'मैं दिल्ली में इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल आयोजित करने के लिए रेखा गुप्ता जी को बधाई देना चाहूंगी। यह फिल्म फेस्टिवल 4–5 दिनों तक चलेगा। उन्होंने कई कलाकारों को भी आमंत्रित किया है। फेस्टिवल में कई कलाकारों को सम्मानित किया जाएगा। धर्म जी को भी श्रद्धांजलि दी जाएगी। इस मौके पर में वहां मौजूद रहूंगी।' बुधवार शाम को भारत मंडपम में शुरू होने इस फिल्म फेस्टिवल अर्जुन कपूर और निमरत कौर भी शामिल होंगे। वह उद्घाटन समारोह को होस्ट करेंगे। शाम के कार्यक्रम में विक्की कौशल, सान्या मल्होत्रा, सिद्धांत चतुर्वेदी, अनुपम खेर और लॉरेन गॉटलिब जैसे सेलेब्स नजर आएंगे। इस मंच पर सिनेमा से जुड़ी बातचीत और चर्चा होगी। अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल दिल्ली 25 मार्च से 31 मार्च 2026 तक चलने वाला है। एक सप्ताह का चलने वाले इस फिल्म फेस्टिवल में कई फिल्मों की स्क्रीनिंग होगी। देश और दुनिया भर के फिल्म निर्माता, सिनेमा जगत के पेशेवर इस मंच से अपने विचार व्यक्त करेंगे।

क्या सिर्फ डूबने से हुआ जुबीन गर्ग का निधन? साजिश को लेकर अधिकारी ने कही ये बात

गायक जुबीन गर्ग के निधन को लेकर एक अहम जानकारी सामने आई है। एक अधिकारी ने सिंगापुर पुलिस कोस्ट गार्ड की इस जांच को सही ठहराया है कि गायक का निधन कोई साजिश नहीं थी। अधिकारी ने पिछले साल सितंबर में सिंगापुर के एक द्वीप के पास हुई जुबीन की मौत को डूबने का मामला करार दिया।

धुरंधर 2 में ऑटो ड्राइवर का रोल करने वाले एक्टर ने अब तक नहीं देखी फिल्म

फिल्म धुरंधर 2 बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर रही है। फिल्म की कामयाबी की वजह से इससे जुड़े किस्से और किरदार भी चर्चा में हैं। फिल्म से जुड़ी एक ऐसी जानकारी सामने आई है जो हैरान करने वाली है। एक तरफ जहां कई लोगों ने रणवीर सिंह की अदाकारी वाली ये फिल्म देख ली है या देखने का प्लान बना रहे हैं, वहीं धुरंधर 2 में एक छोटा किरदार निभाने वाले ऑटो–रिक्शा ड्राइवर ने अब तक इस फिल्म को नहीं देखा है। हरजीत, जिन्होंने फिल्म के आखिरी सीन में एक ऑटो–रिक्शा ड्राइवर की भूमिका निभाई है, उनका एक इंटरव्यू सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने अब तक फिल्म देखी? इस पर उन्होंने जवाब दिया मैंने इसे अभी तक नहीं देखा है। टिकट की कीमत लगभग 500 रुपये है। जैसा कि आप जानते हैं कि यह अभी–अभी रिलीज हुई है, इसलिए मैं इसे अभी तक नहीं देख पाया हूं। उनसे पूछा गया कि क्या उनके बच्चों ने फिल्म देखने की जिद की थी? खास तौर पर इसलिए, क्योंकि इसमें उनके पिता नजर आते हैं। इस पर उन्होंने कहा हां, उन्होंने जिद की थी। लेकिन मैंने उनसे कहा कि हम पांच लोग हैं, और कुल मिलाकर 2500 रुपये खर्च होंगे। 2500 रुपये तो हम पूरे महीने में बचा पाते हैं, इसलिए मैं उन्हें फिल्म दिखाने नहीं ले गया। मैंने उनसे कहा कि हम थोड़ा इंतजार करेंगे और इसे बाद में देखेंगे। आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म धुरंधर 2 19 मार्च को रिलीज हुई है। रणवीर सिंह के साथ अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, आर माधवन और अन्य कलाकारों से सजी यह फिल्म श्धुरंधरश का दूसरा पार्ट है। रिलीज के बाद से यह फिल्म अच्छी कमाई कर रही है। भारत में इसने खबर लिखे जाने तक 587 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है।

डॉक्टर जो धुरंधर 2 में बना एक्टर, रणवीर की चोट पर लगाया मरहम, अर्जुन रामपाल का भी किया इलाज

द ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म की शूटिंग के दौरान अभिनेता अर्जुन रामपाल को सिर में चोट लग गई। लुधियाना जिले के कलाख गांव में सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर तैनात डॉ. सनी अशोक को 8 जुलाई 2025 को पाखोवाल के पास रेलवे ट्रैक पर बुलाया गया। डॉ. सनी ने बताया कि शुरू में चोट गंभीर लग रही थी और डर था कि अर्जुन रामपाल को अस्पताल में भर्ती करना पड़ेगा। लेकिन जांच करने के बाद पता चला कि चोट मामूली है। जिससे सभी को राहत मिली। कुछ दिनों बाद डॉ. सनी को फिर शूटिंग लोकेशन पर बुलाया गया। इस बार शाहनेवाल हवाई अड्डे पर उन्हें बुलाया गया था। वहां उन्होंने रणवीर सिंह से फोटो खिंचवाने के लिए कहा। रणवीर सिंह ने मजाक में कहा, श्भाई, सिर्फ एक फोटो क्यों? हम आपको फिल्म में ही ले लेंगे। फिल्म के निर्देशक आदित्य धर ने वाकई में डॉ. सनी को फिल्म में एक छोटा रोल दे दिया। फिल्म के एक सीन में डॉ सनी ने रणवीर सिंह के घायल किरदार का इलाज करना था। डॉ. सनी ने इसी सीन में एक डॉक्टर की भूमिका निभाई। यह सीन सिर्फ कुछ सेकंड का है और एक ही टेक में पूरा हो गया। निर्देशक आदित्य धर ने डॉ. सनी के स्वाभाविक अभिनय की तारीफ की। उन्होंने कहा कि डॉक्टर कैमरे की तरफ बिल्कुल नहीं देख रहे थे और ठीक वैसे ही व्यवहार कर रहे थे जैसे एक असली डॉक्टर घायल मरीज का इलाज करता है। हालांकि, भूमिका बहुत छोटी है, लेकिन धुरंधर 2 के इस एक सीन ने डॉ. सनी अशोक को उनके इलाके में काफी मशहूर बना दिया है। उनके दोस्त और जान–पहचान वाले लोग वीडियो देखकर उन्हें पहचान रहे हैं। सभी उनके जानने वाले उनसे उनके अनुभव के बारे में पूछ रहे हैं। डॉ. सनी अशोक ने बताया कि रणवीर सिंह और अर्जुन रामपाल दोनों बहुत विनम्र और मिलनसार हैं। सनी ने कहा कि फिल्म की पूरी फिल्म टीम बहुत अच्छी है। खास बात यह है कि डॉ. सनी के परिवार का फिल्म जगत से पुराना नाता है। उनके पिता डॉ. देवेंद्र अशोक, दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के अच्छे मित्र थे और उनके पास धर्मेंद्र परिवार की कई पुरानी तस्वीरें हैं। फिल्म 'धुरंधररू द रिवेंज' की शूटिंग ज्यादातर पंजाब में हुई है। लुधियाना के पास रेलवे ट्रैक और शाहनेवाल एयरपोर्ट भी शूटिंग के प्रमुख लोकेशन रहे।

एक्शन–कॉमेडी फिल्में करना चाहती हैं शालिनी पांडे, इन एक्टर्स को बताया अपना फेवरेट, एक के साथ कर चुकी हैं काम

अभिनेत्री शालिनी पांडे ने अपने करियर में अलग–अलग जॉनर की फिल्मों और सीरीज में काम किया है। अब अभिनेत्री की इच्छा एक्शन फिल्म में काम करने की है। 'धुरंधर' को अपनी मौजूदा पसंदीदा फिल्म बताते हुए शालिनी ने इन दो कलाकारों को अपना फेवरेट बताया और काम करने की इच्छा जताई। एक्ट्रेस ने अपनी महत्वाकांक्षाओं को लेकर भी बात की। इंडिया टुडे से बातचीत में शालिनी पांडे ने कहा कि मैं इतनी महत्वाकांक्षी हूं कि मुझे लगता है कि मैं बहुत कुछ करना चाहती हूं। मैंने जीवन भर खेल खेले हैं और मुझे खेल बहुत पसंद हैं, इसलिए मुझे लगता है कि मैं एक एक्शन फिल्म में काम करना चाहूंगी। मुझे एक्शन पसंद है। मुझे इसका रोमांच बहुत अच्छा लगता है। इसलिए एक्शन ही वह चीज है जो मैं करना चाहती हूं।

अभिनेत्री ने आगे कॉमेडी जॉनर को लेकर कहा कि कॉमेडी एक ऐसा क्षेत्र है, जिसे मैं पूरी तरह से एक्सप्लोर करना चाहती हूं क्योंकि एक दर्शक के रूप में मुझे ये चीजें पसंद आती हैं। मुझे लगता है कि एक्शन और कॉमेडी दोनों ही तरह के रोल मुझे पसंद हैं। मैं ऐसे लोगों के साथ काम करना चाहती हूं जो एक एक्टर के रूप में मुझे प्रेरित करें, जो मुझे मेरे कंफर्ट जोन से बाहर निकलने के लिए प्रेरित करें। ऐसा नहीं है कि मैं जहां भी हूं वहां बहुत सहज होने की कोशिश नहीं करती, लेकिन एक एक्टर के रूप में मैं खुद को आगे बढ़ाना चाहती हूं। मैं ऐसी जगह नहीं रहना चाहती, जहां मेरा विकास बिल्कुल न हो रहा हो। किस तरह के कलाकार के साथ काम करने के सवाल पर शालिनी ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि मुझे किसी ऐसे व्यक्ति के साथ काम करने का मौका मिले जो मेरा पूरक हो और मैं उस व्यक्ति का पूरक बन सकूं। वहीं एक्टर को लेकर उन्होंने कहा कि मुझे सबसे पहले रणवीर सिंह एक अभिनेता के रूप में बहुत पसंद हैं। मैंने धुरंधर देखी है, जो मेरी हाल की पसंदीदा फिल्मों में से एक है, इसलिए मुझे लगता है कि वह हर तरह की भूमिका में अच्छे हो सकते हैं। इसके अलावा ऋतिक रोशन भी इस लिस्ट में हैं, क्योंकि मैंने उन्हें बचपन से ये सब करते देखा है। मुझे लगता है कि सबसे पहले इन्हीं दो लोगों का नाम आता है। वर्कफ्रंट की बात करें तो तेलुगु फिल्म 'अर्जुन रेड्डी' से अपने करियर की शुरुआत करने वाली शालिनी ने बॉलीवुड में डेब्यू रणवीर सिंह के ही साथ किया। 2022 में रणवीर के साथ फिल्म 'जयेशभाई जोरदार' से उन्होंने हिंदी फिल्मों में कदम रखा है। वो आखिरी बार इसी साल आई फिल्म 'राहु केतु' और सीरीज 'बैंडवाले' में नजर आई हैं।

ब्लैक अंडरआर्म्स पर भूलकर भी टूथपेस्ट का न करें इस्तेमाल, जानिए क्या हैं इसके नुकसान

गर्मियों का मौसम आते रही अंडरआर्म्स पर पसीना आना शुरू हो जाता है। जिसके कारण अंडरआर्म्स काले नजर आने लगते हैं। वहीं अंडरआर्म्स के कालेपन को दूर करने के लिए अक्सर लोग अलग–अलग प्रोडक्ट का इस्तेमाल करते हैं, जिससे कि डार्कनेस दूर हो सके। वहीं कुछ लोग अंडरआर्म्स के कालेपन को दूर करने के लिए टूथपेस्ट का भी इस्तेमाल करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं एक्सपर्ट्स टूथपेस्ट का इस्तेमाल करने से मना करते हैं। क्योंकि यह अंडरआर्म्स को नुकसान पहुंचाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि अंडरआर्म्स में टूथपेस्ट को क्यों नहीं लगाना चाहिए।

अंडरआर्म्स में न लगाएं टूथपेस्ट

एक्सपर्ट्स के मुताबिक अंडरआर्म्स को साफ करने के लिए भूलकर भी टूथपेस्ट का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। क्योंकि इससे आपको स्किन संबंधी समस्या हो सकती है। क्योंकि टूथपेस्ट में केमिकल, आर्टिफिशियल फ्रेगनेंस और इंग्रीडिएंट्स का इस्तेमाल होता है। जिसके इस्तेमाल से स्किन पर रैशेज या रेडनेस कर देता है। इसलिए आपको इसे उपयोग में लाने से बचना चाहिए।

पिगमेंटेशन की समस्या

अंडरआर्म्स पर टूथपेस्ट का इस्तेमाल करने से आपको पिगमेंटेशन की समस्या हो सकती है। इससे अंडरआर्म्स की डार्कनेस अधिक बढ़ सकती है। फिर छोटे–छोटे दाने निकलने लगते हैं, जो आपको परेशान कर सकती हैं। इसलिए टूथपेस्ट का इस्तेमाल करने से बचना चाहिए। हांलाकि टूथपेस्ट की जगह आप अंडरआर्म्स पर डॉक्टर की बताई क्रीम अप्लाई कर सकती हैं। जिससे त्वचा पर अधिक पिगमेंटेशन या फिर पिंपल्स की समस्या न हो।

इन बातों का रखें ध्यान

अगर आप भी अंडरआर्म्स को व्हाइट करना चाहते हैं, तो आप एक्सपर्ट्स के बताए प्रोडक्ट का ही इस्तेमाल करें। अगर आपको गर्मियों में एलर्जी या पिगमेंटेशन की समस्या होती है, तो किसी भी चीज को डायरेक्ट स्किन पर लगाने से बचना चाहिए। डॉक्टर आपको स्किन टाइप के हिसाब से प्रोडक्ट का इस्तेमाल करने की सलाह देगा। फिर आप उसी को इस्तेमाल में ला सकते हैं।

इम्यून सिस्टम से लेकर बोन हेल्थ तक के लिए जरूरी है कॉपर रिच फूड, रोजाना डाइट में करें शामिल

जब भी हेल्दी डाइट की बात होती है, तो खासतौर पर लोग सबसे पहले माइक्रो न्युट्रिएंट्स के इनटेक पर ध्यान देते हैं। जबकि शरीर के लिए माइक्रो न्युट्रिएंट्स भी इतने ही जरूरी होते हैं, जितना कि कॉपर। सेहतमंद बने रहने के लिए शरीर को कॉपर की कम मात्रा में जरूरत होती है। यह शरीर के एनर्जी लेवल को बढ़ाने के साथ मेंटल हेल्थ को सपोर्ट करता है। इसके अलावा कॉपर हीमोग्लोबिन के संश्लेषण के लिए भी जरूरी माना जाता है। कॉपर की कमी से लाल रक्त कोशिकाओं का उत्पादन खराब हो सकता है। वहीं शरीर में आयरन के अवशोषण और उपयोग में भी यह शामिल होता है, जो इम्यून सिस्टम के लिए भी अच्छा होता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो एक वयस्क को रोजाना 900 एमसीजी कॉपर लेना चाहिए। क्योंकि यह एक जरूरी मिनरल होता है, जिसको आपको अपनी डाइट में शामिल करना होगा। क्योंकि हमारा शरीर इसे स्वयं उत्पन्न नहीं कर सकता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि डाइट में कॉपर रिच फूड्स शामिल करने से क्या–क्या फायदे मिल सकते हैं।

इम्यून सिस्टम के लिए फायदेमंद

व्हाइट ब्लड सेल्स के प्रोडक्शन और एक्टिविटी में भी कॉपर शामिल होता है। इसलिए यह इम्यून सिस्टम के लिए काफी जरूरी माना जाता है। जब आप अपनी डाइट में पर्याप्त मात्रा में कॉपर रिच फूड्स को शामिल करते हैं, तो यह संक्रमण से लड़ने और इम्यूनिटी को मजबूत करने में सहायक होता है।

ब्रेन हेल्थ के लिए आवश्यक

इसके अलावा ब्रेन हेल्थ के लिए भी कॉपर जरूरी माना जाता है। क्योंकि अगर आपकी डाइट में कॉपर रिच फूड्स शामिल नहीं होते हैं, इसका सीधा असर ब्रेन फंक्शन पर देखने को मिल सकता है। बता दें कि कॉपर की कमी से ब्रेन और नर्व्स का सही तरह से विकास नहीं होता पाता है। जिससे अल्जाइमर रोग का भी खतरा बढ़ता है।

आयरन को अब्जॉर्ब करने में सहायक

कॉपर का सेवन इसलिए भी फायदेमंद है, क्योंकि यह आपकी बॉडी में आयरन एब्जॉर्व करने और इसके उपयोग में सहायता करता है। रेड ब्लड सेल्स और हीमोग्लोबिन के उत्पादन के लिए आयरन को आसानी से इस्तेमाल लायक बनाता है। क्योंकि जब आप पर्याप्त मात्रा में कॉपर लेते हैं, तो इससे शरीर में आयरन की कमी से होने वाले एनीमिया को रोकने या फिर कम करने में सहायक होती है।

बोन हेल्थ के लिए जरूरी है कॉपर

बता दें कि बोन हेल्थ के लिए भी कॉपर काफी जरूरी माना गया है। टिश्यू के निर्माण और रखरखाव में यह बोन शामिल होता है। यह ऑस्टियोब्लास्ट की एक्टिविटी को स्टिम्यूलेट करने में सहायक होता है। ऑस्टियोब्लास्ट बोन सेल्स होती हैं, जो हड्डियों के निर्माण के साथ बोन मैट्रिक्स में कोलेजन फाइबर के क्रॉस–लिंकिंग को सपोर्ट करने का काम करती है। इसलिए जब आप कॉपर रिच फूड्स का सेवन करते हैं, तो आपकी बोन डेंसिटी इंप्रूव होती है और हड्डियों को मजबूती मिलती है।

एनर्जी

कॉपर कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और वसा के मेटाबॉलिज्म में शामिल होता है, जो शरीर की ऊर्जा का मुख्य स्त्रोत है।

एक महीने डाइट से बाहर कर दें चीनी, शरीर को मिलेंगे अनगिनत फायदे

कुछ लोग मीठे के बहुत शौकीन होते हैं। उन्हें मीठे की इतनी क्रेविंग्स होती है कि यदि वह इसे न खाएं तो उनका दिन नहीं निकलता। चाय–कॉफी, बिस्कुट, जूस, चॉकलेट और रेडिमेड फूड्स इन सभी में चीनी काफी मात्रा में पाई जाती है। जरुरत से ज्यादा मीठे का सेवन शरीर के लिए हानिकारक भी हो सकता है। इसके कारण मोटापा, डायबिटीज, हार्मोन्ल असंतुलन, हाई बीपी, दिल संबंधी रोगों जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं, लेकिन क्या आपने कभी यह सोचा है कि यदि आप एक महीने के लिए चीनी छोड़ देंगे तो इससे शरीर पर क्या असर होगा? तो चलिए आज आपको बताते हैं कि चीनी न खाने से शरीर को क्या–क्या फायदे होते हैं।

वजन होगा कम

चीनी एक ऐसा पदार्थ है जिसमें कैलोरी काफी ज्यादा मात्रा में पाई जाती है ऐसे में चीनी का ज्यादा सेवन करने के कारण आप मोटापे का शिकार हो सकते हैं। वहीं यदि आप चीनी का सेवन बंद कर देंगे तो इससे आपको वजन कम करने में मदद मिलेगी।

मेंटल हेल्थ में होगा सुधार

चीनी छोड़ देने से आपका मूड भी अच्छा हो सकता है। इससे आपकी मेंटल हेल्थ में सुधार होगा और आप हर चीज में ज्यादा अच्छी तरह से फोकस कर पाएंगे।

पाचन संबंधी समस्याएं होगी दूर

चीनी का ज्यादा सेवन करने से पाचन पर भी गलत असर होता है। इसके कारण पेट में गैस, दर्द, कब्ज और ब्लोटिंग जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में यदि आप 1 महीने तक चीनी बंद कर देते हैं तो आपको पाचन संबंधी समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है।

शरीर में बढ़ेगी एनर्जी

चीनी छोड़ने के कारण आपके शरीर में भी एनर्जी बढ़ती है। इसके अलावा चीनी का सेवन न करने से ब्लड शुगर का लेवल कंट्रोल करने में भी मदद मिलती है।

दांतों में नहीं होगी सड़न

दांतों में होने वाली सड़न या फिर मसूड़ों से जुड़ी बीमारियों के पीछे भी चीनी वजह हो सकती है। ऐसे में यदि आप चीनी छोड़ देते हैं तो आपके दांतों को भी फायदा होगा। आपको दांतों में सड़न से राहत मिलेगी।

इम्यूनिटी बनेगी मजबूत

ज्यादा मात्रा में चीनी खाने के कारण इम्यूनिटी कमजोर होती है ऐसे में यदि आप इंफेक्शन और बीमारियों की चपेट में जल्दी आते हैं। यदि आप चीनी का सेवन बंद कर देते हैं तो आपकी इम्यूनिटी मजबूत होगी और शरीर को स्वस्थ रखने में मदद मिलेगी। चीनी का सेवन न करने के कारण लिवर और किडनी जैसे महत्वपूर्ण अंगों की फंक्शनिंग भी सुधरती है।

नवरात्रि का पर्व जहां धार्मिक आस्था का प्रतीक है, वहीं यह सेहत के लिहाज से भी बेहद खास माना जाता है। इन दिनों में बड़ी संख्या में लोग उपवास रखते हैं, जिससे शरीर को डिटॉक्स होने का मौका मिलता है। खास बात यह है कि व्रत के दौरान सही खानपान अपनाकर वजन कम करना भी आसान हो जाता है। डॉक्टर के अनुसार, अगर व्रत के दौरान डाइट पर सही ध्यान दिया जाए, तो शरीर की अतिरिक्त चर्बी तेजी से कम की जा सकती है। ऐसे में एक खास देसी फूड राजगिरा (चौलाई) वजन घटाने में काफी मददगार साबित हो सकता है।

वेट लॉस के लिए फायदेमंद है राजगिरा

व्रत के दौरान आमतौर पर लोग सीमित चीजों का सेवन करते हैं। ऐसे में राजगिरा एक हेल्दी और पौष्टिक विकल्प बनकर सामने आता है। इसे अमरंथ या चौलाई भी कहा जाता है। यह न सिर्फ हल्का और पचने में आसान है, बल्कि शरीर को जरूरी पोषण भी देता है।

क्यों है राजगिरा खास?

विशेषज्ञों का कहना है कि राजगिरा में कई ऐसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जो वजन कम करने में मदद करते हैं।

कम कैलोरी: यह वजन घटाने के लिए उपयुक्त है

प्रोटीन से भरपूर: लंबे समय तक पेट भरा रखता है

फाइबर का अच्छा स्रोत: पाचन को बेहतर बनाता है

नवरात्रि व्रत में राजगिरा खाकर घटाएं वजन, थकान- कमजोरी भी होगी दूर

मेटाबॉलिज्म बढ़ाता है: शरीर की चर्बी तेजी से घटाने में मदद करता है

एनर्जी बनाए रखता है: व्रत के दौरान थकान और कमजोरी को दूर करता है।

व्रत में ऐसे करें सेवन

नवरात्रि के दौरान राजगिरा को कई तरीकों से डाइट में शामिल किया जा सकता है

राजगिरा के लड्डू

आटे की रोटी या पराठा

चीला या खीर।

डाइट एक्सपर्ट्स का मानना है कि व्रत के दौरान तला–भुना और ज्यादा मीठा खाने से बचना चाहिए। इसके बजाय हल्का, संतुलित और पौष्टिक आहार लेना जरूरी है, ताकि शरीर को ऊर्जा भी मिले और वजन भी नियंत्रित रहे। नवरात्रि का व्रत न सिर्फ धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह शरीर को स्वस्थ बनाने का भी एक अच्छा अवसर है। अगर आप इस दौरान राजगिरा को अपनी डाइट में शामिल करते हैं, तो आप आसानी से वजन घटाने के साथ–साथ खुद को एनर्जेटिक भी रख सकते हैं।

सुबह मुंह सूखने या बदबू आने के ये हैं कारण, समय पर ठीक कर लो इस परेशानी को

सुबह की सांस की बदबू को अक्सर सामान्य मानकर नजरअंदाज कर दिया जाता है। लेकिन, मुंह का सूखापन और उसके साथ आने वाली तेज अप्रिय गंध सिर्फ रात की नींद से जुड़ी बात नहीं होती। ये आपके शरीर की हाइड्रेशन, नींद और मेटाबॉलिज्म से जुड़ा अहम संकेत हो सकता है। आइए जानते हैं ऐसा क्यों होता है और इसे कैसे ठीक किया जा सकता है।

सुबह मुंह सूखने या बदबू आने के कारण

शरीर में पानी की कमी: अगर आप दिनभर पर्याप्त पानी नहीं पीते, तो रात में शरीर और ज्यादा डिहाइड्रेट हो जाता है। इससे मुंह में लार कम बनती है और मुंह सूख जाता है। इसके संकेत होंठ सूखना, सिर दर्द, पेशाब का गहरा रंग है।

मुंह खोलकर सोना: अगर आप नाक की बजाय मुंह से सांस लेते हैं (जैसे नाक बंद होने पर), तो हवा सीधे मुंह को सुखा देती है।

ऐसे में सुबह गला सूखा जाता है, खर्राटे आते हैं और गले में खराश होने लगती है।

बैक्टीरिया का बढ़ना: रात में लार कम बनने से मुंह के बैक्टीरिया तेजी से बढ़ते हैं, जिससे बदबू आती है। इससे सुबह उठते ही बदबू आने लगती है, जीभ पर सफेद परत हो जाती है।

मेटाबॉलिज्म और ब्लड शुगर का असर: अगर आपका मेटाबॉलिज्म ठीक नहीं है या ब्लड शुगर बढ़ा हुआ है (जैसे प्रीडायबिटीजध्डायबिटीज), तो मुंह सूखने की समस्या बढ़ सकती है। इस बार रात को बार–बार प्यास लगती है, थकान रहती है और बार–बार पेशाब आता है।

खराब नींद या स्लीप डिसऑर्डर: कम या खराब क्वालिटी की नींद (जैसे स्लीप एपनिया) भी मुंह सूखने का कारण बन सकती है। इससे रात भर नींद पूरी करने के बाद भी दिन में थकावट बनी रहती है।

ये समस्या कब गंभीर हो सकती है?

अगर रोज सुबह मुंह बहुत ज्यादा सूखा रहता है या बदबू लगातार बनी रहती है, तो ये संकेत हो सकते हैं डायबिटीज, गम (मसूड़ों) की बीमारी और पाचन समस्या के। अगर ये समस्या लंबे समय तक बनी रहे, तो डॉक्टर से जांच कराएं खासकर ब्लड शुगर और ओरल हेल्थ की। ध्यान रखें सुबह का सूखा मुंह सिर्फ एक आदत नहीं, बल्कि शरीर का अलार्म हो सकता है जो आपको पानी, नींद और सेहत सुधारने का संकेत दे रहा है।

इस तरह ठीक करें अपनी समस्या

दिनभर पर्याप्त पानी पिएं: कम से कम 7,8 गिलास पानी जरूर पिएं, खासकर सोने से पहले 1 गिलास पानी लें।

सोने से पहले ओरल केयर: रात में ब्रश जरूर करें, जीभ साफ करें, माउथवॉश का इस्तेमाल करें।

नाक से सांस लेने की आदत डालें: अगर नाक बंद रहती है, तो भाप लें या डॉक्टर से सलाह लें।

डाइट सुधारें: ज्यादा मीठा और जंक फूड कम करें, फल और हरी सब्जियां खाएं। कैफीन और अल्कोहल कम लें

अच्छी नींद लें: 7,8 घंटे की नींद जरूरी। सोने से पहले मोबाइल कम इस्तेमाल करें।

संक्षिप्त

भारतीय महिला रिकर्व और पुरुष कंपाउंड टीमों का जलवा, जीते कांस्य पदक

बैंकॉक,एजेंसी। भारतीय तीरंदाजों ने एशिया कप विश्व रैंकिंग टूर्नामेंट के पहले चरण में बुधवार को दूसरे दिन दो कांस्य पदक जीते जबकि पुरूष रिकर्व और महिला कंपाउंड टीम स्पर्धाओं के फाइनल में भी प्रवेश कर लिया। महिला कंपाउंड टीम ने पिछली बार कांस्य जीता था लेकिन इस बार फाइनल खेलकर पदक का रंग बेहतर करेगी। चिकिथा तानीपर्थी, राज कौर और तेजल साल्वे की तिकड़ी ने स्थानीय खिलाड़ी कन्यावी मानीसोम्बात्कुल, कानोकनापुस काएचोम्फू और चानीदप्पा तानारत्पितिनान को 229–226 से हराया। अब सेमीफाइनल में उनका सामना तीसरी वरीयता प्राप्त कजाखस्तान से होगा । पुरूष कंपाउंड वर्ग में क्वालीफिकेशन दौर में शीर्ष पर रहने के बावजूद भारतीय तीरंदाज खिताब बरकरार रखने में नाकाम रहे और कांस्य से संतोष करना पड़ा। रजत चौहान, ऋषभ यादव और उदय कम्बोज को वियतनाम के हाथों सेमीफाइनल में 233–234 से पराजय मिली। कांस्य पदक के मुकाबले में भारतीय टीम ने भूटान को 234–232 से हराया। रिकर्व वर्ग में भारतीय पुरूष टीम मलयेशिया को 5–1 से हराकर फाइनल में पहुंच गई । भारत के देवांग गुप्ता, सुखचौन सिंह और जुयेल सरकार ने एक भी सेट गंवाये बिना जीत दर्ज की। अब उनका सामना कजाखस्तान से होगा। महिला रिकर्व टीम की तिकड़ी रूमा बिस्वास, कीर्ति और रिद्धि फोर ने मलयेशिया को 5–1 से हराकर कांस्य पदक जीता।

बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 1205 अंक चढ़ा, निफ्टी 23300 के पार

नई दिल्ली,एजेंसी। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन यानी बुधवार को शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। बेंचमार्क सूचकांक और निफ्टी में करीब दो प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1205 अंक या 1.63 प्रतिशत बढ़कर 75,273.45 पर बंद हुआ। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 394.05 अंक या 1.72 प्रतिशत बढ़कर 23,306.45 पर बंद हुआ। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय शेयर बाजार में सतर्क आशावाद देखने को मिल रहा है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि सकारात्मक संकेतों के बावजूद निवेशकों की नजर भू–राजनीतिक हालात पर टिकी हुई है, जिससे उतार–चढ़ाव बना रह सकता है। बैंकिंग और मार्केट एक्सपर्ट अजय बग्गा ने कहा कि अगले दिन बाजार अवकाश होने के कारण निवेशकों का रुख सतर्क रहेगा और बाजार में अस्थिरता बनी रह सकती है। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर शांति की उम्मीदों के बीच बाजार बेहद संवेदनशील स्थिति में हैं और किसी भी बयान पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि जमीनी हालात अभी भी तेजी से बदल रहे हैं। इस्राइल और ईरान के बीच मिसाइल हमले जारी हैं, जबकि अमेरिका क्षेत्र में सैनिकों की तैनाती बढ़ा रहा है। ऐसे में बाजार केवल बयानों के बजाय वास्तविक प्रगति पर नजर रखेंगे। हालांकि, स्थिति अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। जहां अमेरिका शांति वार्ता का दावा कर रहा है, वहीं ईरान ने किसी भी तरह की बातचीत से इनकार किया है। ऐसे में बाजार फिलहाल उम्मीद और अनिश्चितता के बीच झूलते नजर आ रहे हैं

कतर एनर्जी ने मिसाइल हमलों के बाद एलएनजी आपूर्ति अनुबंधों पर फोर्स मेज्योर घोषित किया

नई दिल्ली,एजेंसी। कतर एनर्जी ने इटली, बेल्जियम, दक्षिण कोरिया और चीन के साथ एलएनजी आपूर्ति अनुबंधों पर फोर्स मेजर घोषित कर दिया है। यह घोषणा उसके रास लाफान उत्पादन केंद्र को हुए भारी नुकसान के बाद की गई है। फोर्स मेज्योर एक कानूनी शब्द है, जिसका सीधा और सरल मतलब है– ऐसी परिस्थिति जिसे नियंत्रित नहीं किया जा सकता या ईश्वरीय घटना। आसान भाषा में समझें तो यह किसी अनुबंध में एक ऐसी शर्त होती है, जो दोनों पक्षों को तब जिम्मेदारियों से मुक्त कर देती है जब कोई ऐसी अनहोनी हो जाए जो किसी के बस में न हो। कंपनी ने बताया कि 18 और 19 मार्च को हुए मिसाइल हमलों से उसके रास लाफान उत्पादन केंद्र को भारी नुकसान हुआ है। रास लाफान कतर के प्रमुख ऊर्जा उत्पादन केंद्रों में से एक है। इन हमलों में दो एलएनजी ट्रेन और एक गैस–टू–लिक्विड्स (जीटीएल) ट्रेन क्षतिग्रस्त हो गए। इस क्षति के कारण कंपनी को अपने अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों को एलएनजी की आपूर्ति में बाधा का सामना करना पड़ रहा है। कतर एनर्जी ने कहा कि वह अपने परिचालन पर हुए पूर्ण प्रभाव का आकलन कर रही है। साथ ही, कंपनी प्रभावित सुविधाओं की मरम्मत के लिए आवश्यक समय–सीमा का भी मूल्यांकन कर रही है। यह स्थिति वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति शृंखला के लिए चिंता का विषय बन गई है।

भारत के पूर्व क्रिकेटर का बड़ा आरोप, बोले– भारतीय खिलाड़ी ही मुझ पर करते थे नस्लीय टिप्पणी

चेन्नई,एजेंसी। कभी भारतीय क्रिकेट के सबसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों में से एक माने जाने वाले लक्ष्मण शिवरामकृष्णन का अंतरराष्ट्रीय करियर भले ही लंबा न रहा हो, लेकिन उन्होंने खेल के मैदान पर अपनी फिरकी से सलीम मलिक और इमरान खान समेत कई दिग्गजों को परेशान किया। हालांकि, उनकी प्रतिभा और शुरुआती शानदार प्रदर्शन के बावजूद, वह आगे चलकर उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके। अब उन्होंने खुलासा किया है कि इसका कारण केवल उनकी प्रतिभा या खेल में सुधार की कमी ही नहीं थी, बल्कि उनके साथ ही नस्लीय टिप्पणी भी थी। हाल ही में एक इंडियन एक्सप्रेस के साथ एक इंटरव्यू में, शिवरामकृष्णन ने अन्य कारणों के बारे में खुलकर बात की। उनका कहना है कि अन्य कारणों ने भी उन पर एक गहरा मानसिक घाव छोड़ा है, जिसे मिटाना उनके लिए मुश्किल रहा है। शिवरामकृष्णन ने कहा कि नस्लवाद की घटनाओं से उन्हें बार–बार गुजरना पड़ा। द इंडियन एक्सप्रेस को दिए इंटरव्यू के मुताबिक, शिवरामकृष्णन के जीवन के साथ पहली नस्लीय घटना तब हुई, जब वह केवल 14 वर्ष के थे। वह चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में भारतीय टीम के लिए नेट गेंदबाज के तौर पर शामिल हुए थे। अपनी जर्सी में ही वह स्टेडियम के एक छोटे से कमरे में कपड़े बदलने के लिए दौड़े, तभी एक वरिष्ठ भारतीय बल्लेबाज ने उन्हें पुकारा। शिवरामकृष्णन ने बताया कि उस वरिष्ठ भारतीय खिलाड़ी ने उनसे उनके जूते साफ करने को कहा। इस टिप्पणी से स्तब्ध शिवरामकृष्णन ने याद करते हुए कहा, मैंने बस उनकी ओर देखा और कहा– यह मेरा काम नहीं है, आप जो करना चाहते हैं वह करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि उस वरिष्ठ खिलाड़ी ने उन्हें ग्राउंड स्टाफ समझ लिया था। शिवरामकृष्णन ने बताया, श्मुझे नहीं पता था कि नस्लवाद या रंग भेद क्या होता है। मैं बस सोच रहा था कि इस आदमी को इस तरह से प्रतिक्रिया क्यों करनी पड़ी। यह घटना कोई अकेली नहीं थी। शिवरामकृष्णन ने बताया कि तमिलनाडु की टीम में प्रमुख खिलाड़ियों ने

उन्हें करुपा (काले रंग वाला) कहकर बुलाया। मुंबई, चंडीगढ़ और जालंधर जैसे शहरों में जब वह बाउंड्री के पास फील्डिंग करते थे, तो भीड़ अक्सर श्कालिया, तेरा क्या होगाश चिल्लाती थी, जो उनके त्वचा के रंग का मजाक उड़ाता था। एक अन्य नस्लवाद की घटना का जिक्र करते हुए, शिवरामकृष्णन ने खुलासा किया कि कैसे एक वरिष्ठ भारतीय खिलाड़ी ने उनके 17वें जन्मदिन पर लाए गए केक से उनकी त्वचा के रंग की तुलना की थी। यह सुनील गावस्कर ही थे जिन्हें उन्हें शांत करना पड़ा, जब वे रोते हुए केक काट रहे थे।

शिवरामकृष्णन के मुताबिक, एक वरिष्ठ खिलाड़ी ने कहा था– हे सनी, तुमने सही रंग का केक ऑर्डर किया है। एक काले लड़के के लिए इतना डार्क चॉकलेट केक। उन्होंने कहा, मैं रोने लगा और केक काटने से इनकार कर दिया। सुनील गावस्कर को मुझे शांत करना पड़ा और फिर मैंने रोते हुए केक काटा। शिवरामकृष्णन के ये खुलासे क्रिकेट में मौजूद नस्लवाद की गहरी जड़ों को उजागर करते हैं। यह दर्शाता है कि कैसे खेल के मैदान पर प्रतिभा के साथ–साथ व्यक्तिगत गरिमा और सम्मान भी महत्वपूर्ण है। उनके अनुभव उन युवा खिलाड़ियों के लिए एक चेतावनी हैं जो शायद ऐसी ही परिस्थितियों का सामना कर सकते हैं। शिवरामकृष्णन ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) पर गंभीर नस्लवाद और भेदभाव का आरोप लगाते हुए 20 मार्च को 23 वर्षों के लंबे कमेंट्री करियर से संन्यास की घोषणा की थी। उन्होंने बीसीसीआई पर अवसरों की कमी का आरोप लगाया और सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर की। शिवरामकृष्णन ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा कि दो दशकों से अधिक समय तक कमेंट्री सेटअप का हिस्सा होने के बावजूद, उन्हें लगातार टॉस ड्यूटी और मैच के बाद की प्रेजेंटेशन सेरेमनी जैसी प्रमुख ऑन–एयर रोल से दूर किया गया। जब किसी ने उन्हें सुझाव दिया कि नस्ल भेदभाव का एक कारण हो सकता है, तो शिवरामकृष्णन ने जवाब दिया, आप सही कह रहे हैं। रंग भेद। इसके तुरंत बाद उन्होंने घोषणा की, मैं बीसीसीआई के लिए कमेंट्री से संन्यास ले रहा हूं। लक्ष्मण शिवरामकृष्णन, जिन्हें श्शिवश के नाम से भी जाना जाता है, उन्होंने 1983 से 1986 के बीच भारत के लिए नौ टेस्ट और 16 वनडे मैच खेले। उन्होंने टेस्ट मैचों में 26 विकेट लिए, जिसमें तीन पांच–विकेट हॉल शामिल हैं और वनडे में 15 विकेट हासिल किए। उन्होंने वर्ष 2000 में अपने कमेंट्री करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने 1983 में वेस्टइंडीज दौरे के दौरान टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया था और एक युवा खिलाड़ी के रूप में एक घरेलू खेल में सात रन देकर दो विकेट लेने के बाद जल्दी ही ध्यान आकर्षित किया था। हालांकि अपने डेब्यू टेस्ट में वह विकेट नहीं ले सके थे, लेकिन बाद में वह 1984 में इंग्लैंड के खिलाफ 12 विकेट लेकर मैच जिताने वाले प्रदर्शन के लिए प्रसिद्ध हुए।

नौ साल बाद लिवरपूल का साथ छोड़ेंगे फुटबॉलर सालाह, क्या मैनेजर स्लॉट से विवाद के बाद लिया फैसला ?

लंदन,एजेंसी। मिस्र के दिग्गज फुटबॉलर मोहम्मद सालाह ने लिवरपूल फुटबॉल क्लब को छोड़ने की घोषणा कर दी है। इस सीजन के अंत के साथ ही उनका लिवरपूल के साथ कॉन्ट्रैक्ट समाप्त हो जाएगा। उनके कॉन्ट्रैक्ट को रीन्यू नहीं किया जाएगा। इसकी घोषणा उनके साथ ही क्लब ने भी कर दी है। हालांकि, सवाल यह उठ रहे हैं कि सालाह लिवरपूल के अहम स्ट्राइकर माने जाते हैं। इसके बाद ऐसी क्या बात हो गई कि सालाह को उस टीम का साथ छोड़ना पड़ रहा है, जिसको लेकर उन्होंने कभी कहा था कि वह यहीं से रिटायरमेंट तक खेलना चाहते हैं। मोहम्मद सालाह ने सोशल मीडिया के जरिए यह जानकारी दी। अपने भावुक वीडियो मैसेज में उन्होंने कहा कि वह चाहते थे कि उनके समर्थक यह खबर सीधे उनसे सुनें। उन्होंने इसे अपने फेयरवेल का पहला हिस्सा बताया, जो दर्शाता है कि आने वाले समय में और भी विदाई संदेश सामने आ सकते हैं। दरअसल, सालाह और लिवरपूल के बीच विवाद की शुरुआत दिसंबर 2025 से हुई। सालाह ने सीधे तौर पर मैनेजर आर्ने स्लॉट पर गंभीर आरोप लगाए। सालाह ने दावा किया कि क्लब ने उन्हें प्लेइंग–11 में मौका न देकर ऐसे अपमानित किया मानो कि बस के नीचे फेंक दिया है। यह बयान तब आया जब सलाह को लगातार तीन मैचों में बेंच पर बैठाया गया था।

उन्होंने अपने योगदान को कमतर आंके जाने की बात कही, जिससे टीम के भीतर और सार्वजनिक रूप से एक तनावपूर्ण माहौल बन गया। इससे टीम के मनोबल पर भी असर पड़ा। इस बयान के लगभग तीन महीने बाद सालाह ने टीम छोड़ने का एलान कर दिया। 33 साल के सालाह 2017 में एसएस रोमा से लगभग 50 मिलियन डॉलर में लिवरपूल आए थे। उन्होंने 435 मैचों में 255 गोल किए, जिससे वह क्लब के ऑल–टाइम टॉप स्कोरर्स में तीसरे स्थान पर पहुंच गए। सालाह ने अपना नाम क्लब के महान खिलाड़ियों में दर्ज करा लिया है। लिवरपूल में अपने नौ साल के करियर के दौरान, सालाह ने टीम को कई ऐतिहासिक सफलताएं दिलाईं। क्लब की प्रीमियर लीग, यूईएफए चौंपियंस लीग, एफए कप, लीग कप, क्लब वर्ल्ड कप और यूईएफए सुपर कप जैसी बड़ी खिताबी जीत में सालाह का अहम योगदान रहा।

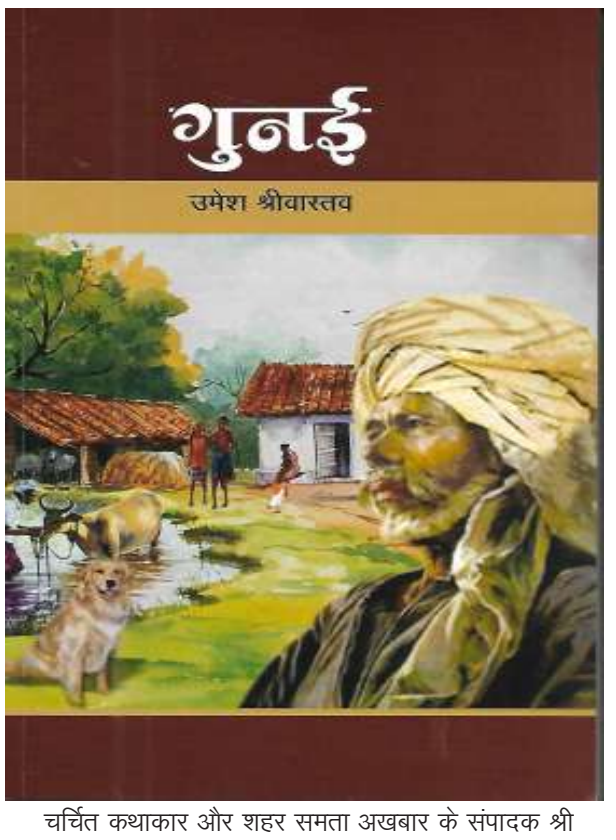

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

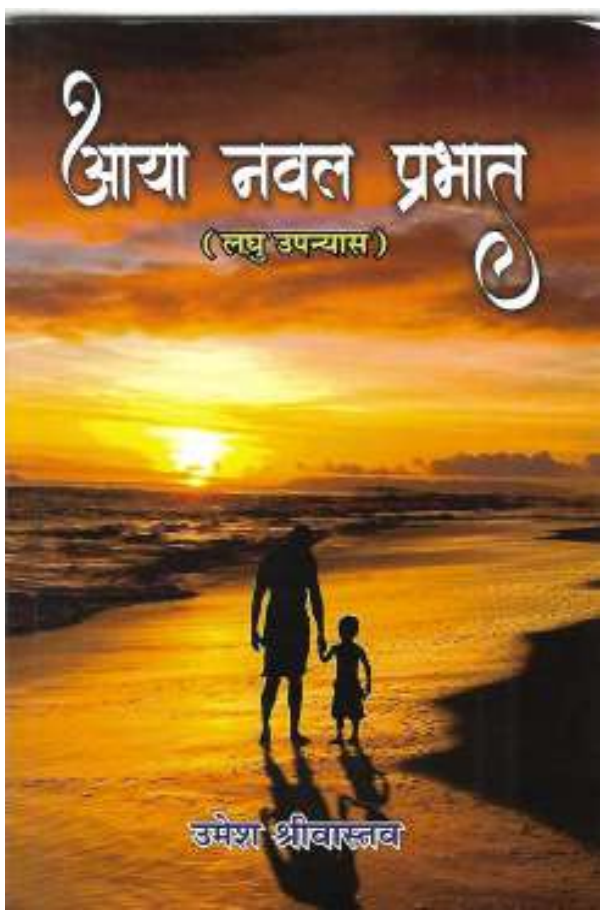

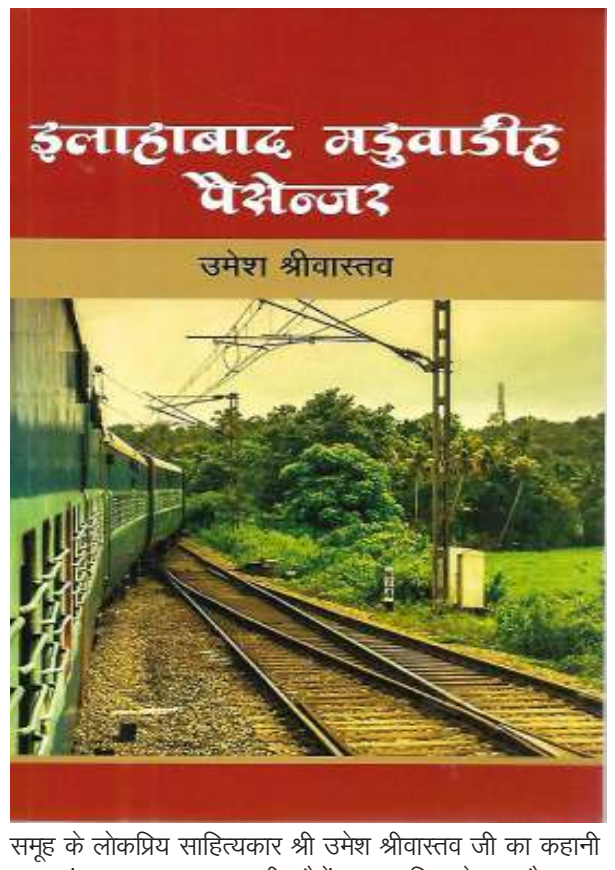

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

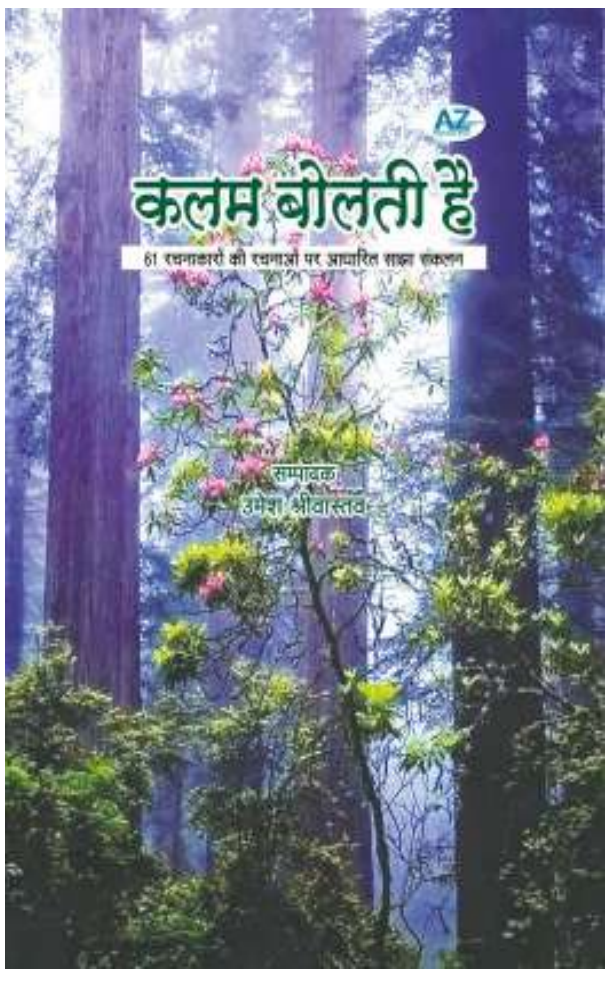

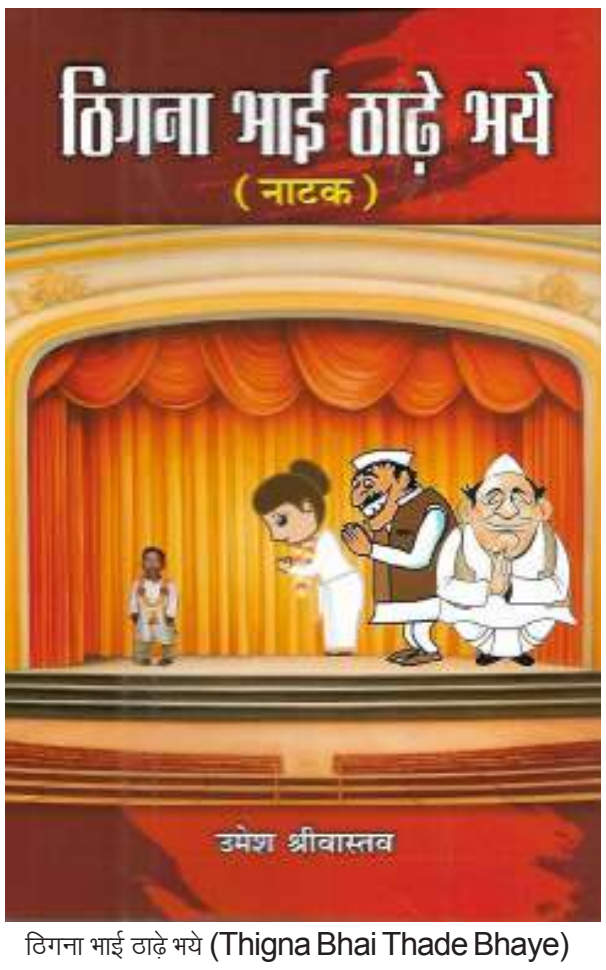

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

कभी मेल बैलेट के विरोधी रहे ट्रंप ने खुद इसी से किया मतदान, फ्लोरिडा चुनाव में रिपब्लिकन प्रत्याशी को मात

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर फ्लोरिडा में मेल बैलेट के जरिए अपना वोट डाला है। जबकि वे सार्वजनिक रूप से इस मतदान तरीके को धोखाधड़ी का जरिया बताते हैं और कांग्रेस से इसे सीमित करने की मांग कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ उन्होंने खुद इसी तरीके का इस्तेमाल किया। पाम बीच काउंटी के रिकॉर्ड से पता चला है कि राष्ट्रपति ने मंगलवार को राज्य विधानसभा सीटों के लिए हुए विशेष चुनाव में मेल से वोट दिया और उनके वोट की गिनती भी हो गई है। ट्रंप के समर्थन के बावजूद उनके रिपब्लिकन उम्मीदवार यहां से चुनाव हार गए है। यहां डेमोक्रेट की एमिली ग्रेगरी ने जीत हासिल की है। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता ओलिविया वेल्स ने इस पर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि ट्रंप श्यूनिवर्सल मेल–इन वोटिंगश के खिलाफ हैं, न कि उन व्यक्तिगत मामलों के जहां मतदाता को इसकी जरूरत होती है। वेल्स के अनुसार, ट्रंप जिस श्सेव अमेरिका एक्टश का समर्थन करते हैं, उसमें बीमारी, विकलांगता, सेना या यात्रा जैसी स्थितियों में मेल से वोट देने की छूट दी गई है। उन्होंने कहा यूनिवर्सल मेल–इन वोटिंग की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए, क्योंकि इसमें धोखाधड़ी की बहुत ज्यादा गुंजाइश होती है। उन्होंने कहा कि ट्रंप फ्लोरिडा के निवासी हैं लेकिन वे वाशिंगटन में रहते हैं, इसलिए उनका मेल से वोट देना कोई बड़ी बात नहीं है। इसके बावजूद, ट्रंप ने पिछले हफ्त मेल–इन वोटिंग को धोखाधड़ी और बेहद भ्रष्ट बताया था। वे कांग्रेस से श्सेव एक्टश पास करने का आग्रह कर रहे हैं ताकि मेल मतदान के विकल्पों को बहुत सीमित किया जा सके। हालांकि, ब्रूकिंग्स इंस्टीट्यूशन की 2025 की एक रिपोर्ट के अनुसार, मेल मतदान में धोखाधड़ी के मामले न के बराबर हैं। रिपोर्ट बताती है कि हर एक करोड़ वोटों में से सिर्फ चार मामलों में ही गड़बड़ी पाई गई है। सीनेट में डेमोक्रेटिक नेता चक शूमर ने ट्रंप के इस कदम की आलोचना की है। शूमर ने कहा कि ट्रंप के अनुसार जब दूसरे लोग मेल से वोट दें तो वह श्धोखाधड़ीश है, लेकिन जब वे खुद ऐसा करें तो वह सही है। ट्रंप 2020 के चुनाव में अपनी हार के बाद से ही मेल मतपत्रों पर निशाना साध रहे हैं। हालांकि, अमेरिकी अदालतों और उनके खुद के अटॉर्नी जनरल को चुनाव नतीजों को प्रभावित करने वाली किसी धोखाधड़ी का कोई सबूत नहीं मिला। फ्लोरिडा के इस चुनाव में ट्रंप ने रिपब्लिकन उम्मीदवार जॉन मेपल्स का समर्थन किया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर लोगों से मेपल्स को वोट देने की अपील की थी, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि उन्होंने खुद मेल से वोट दिया है। ट्रंप के समर्थन के बावजूद जॉन मेपल्स चुनाव हार गए और डेमोक्रेट एमिली ग्रेगरी ने जीत हासिल की।

'अमेरिका को होर्मुज की नाकाबंदी करनी चाहिए', पूर्व एनएसए बोल्टन का बड़ा बयान, भारत का भी किया जिक्र

वॉशिंगटन, एजेसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बात की। इस बातचीत के बाद अमेरिका के पूर्व एनएसए जॉन बोल्टन ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका को ईरान के तेल राजस्व को खत्म करने के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकाबंदी करनी चाहिए। जॉन बोल्टन ने आकलन किया कि पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप की बातचीत में क्षेत्रीय संघर्ष और ईरानी ऊर्जा पर भारत की निर्भरता पर बात हुई होगी। जॉन बोल्टन ने कहा, श्मुझे लगता है कि पीएम मोदी की सोच साफ है कि वे ईरान से तेल खरीदने के इच्छुक हैं। आज सुबह दो भारतीय जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से निकले भी हैं। हालांकि इस लेन–देन का असर भू–राजनीति पर पड़ता है।श बोल्टन ने कहा कि श्इस तरह राजस्व का प्रवाह क्षेत्रीय सैन्य संतुलन को सीधे तौर पर प्रभावित करता है और इससे ईरान को राजस्व मिलता है और उसकी युद्ध मशीन चलती रहती है। जॉन बोल्टन ने कहा, श्पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बातचीत में भारत की ऊर्जा जरूरतों को ईरान की बजाय एक स्थायी स्त्रोत पर स्थानांतरित करने पर भी बात हुई होगी।श बोल्टन ने कहा कि श्अमेरिका को ईरान के राजस्व स्त्रोतों को बाधित करने की जरूरत है और इसके लिए मुझे लगता है कि अमेरिका को होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकाबंदी करनी चाहिए ताकि ईरान का निर्यात बाधित हो।

ट्रंप ईरान से युद्ध में लक्ष्य बदल रहे या नाकाम हो रहे? जानें अमेरिका की क्या नीति

अमेरिका और इस्राइल की ईरान से जंग का आज 26वां दिन है। तीन हफ्तों से ज्यादा के अपने सैन्य अभियान में अब तक अमेरिका और इस्राइल ने ईरान पर ढेरों बम बरसाए हैं और उसके शीर्ष नेतृत्व, जिसमें सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई और अली लारिजानी जैसे नाम शामिल हैं, को निशाना बनाया। जवाब में ईरान ने भी इस्राइल और पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर वार किए और उसे बड़े सैन्य और आर्थिक नुकसान पहुंचाए।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

शांति वार्ता के बीच ट्रंप को ईरान से मिला रहस्यमयी तोहफा, बोले- ये तेल और गैस से जुड़ा महंगा गिफ्ट

वॉशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को एक चौंकाने वाला बयान दिया। ईरान के साथ युद्धविराम पर बातचीत की चर्चाओं के बीच ट्रंप ने कहा है कि ईरान ने उन्हें एक बहुत बड़ा और काफी कीमती तोहफा भेजा है। हालांकि उन्होंने इस तोहफे के बारे में कोई जानकारी नहीं दी और सिर्फ इतना कहा कि ये तोहफा तेल और गैस से जुड़ा है। ट्रंप जहां ईरान के साथ बातचीत का दावा कर रहे हैं, वहीं ईरान की सेना अमेरिका के साथ किसी भी बातचीत से इनकार कर रही है। दरअसल मंगलवार को व्हाइट हाउस में मीडिया से बातचीत के दौरान ट्रंप से पूछा गया कि ईरान की तरफ से जो लोग युद्धविराम पर बातचीत कर रहे हैं, क्या उन्हें उन पर विश्वास है? इसके जवाब में ट्रंप ने कहा, वे किसी पर विश्वास नहीं करते, लेकिन उन्होंने ईरान से एक तोहफा मिलने का संकेत दिया। जिसके आधार पर ट्रंप ने कहा कि वे सही लोगों से बात कर रहे हैं। ट्रंप ने कहा, श्उन्होंने हमें एक तोहफा दिया है और वो तोहफा आज पहुंच गया है। यह एक बड़ा तोहफा है, जिसकी बहुत ज्यादा कीमत है, लेकिन मैं आपको ये नहीं बताने वाला हूं कि वह क्या है, लेकिन ये एक खास तोहफा है।श ट्रंप ने बताया कि यह तोहफा तेल और गैस से जुड़ा है। इसके अलावा ट्रंप ने ज्यादा जानकारी देने से इनकार कर दिया। इससे पहले सोमवार को ट्रंप ने ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर हमले पांच दिनों के लिए रोकने का एलान किया। इस दौरान ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका और ईरान की युद्धविराम को लेकर बात हो रही है। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिकी सरकार ने ईरान को 15 सूत्रीय युद्धविराम प्रस्ताव भेजा है। हालांकि ईरान की तरफ से इसे लेकर कोई बयान जारी नहीं किया गया है। इस बीच अमेरिका द्वारा पश्चिम एशिया में अपने सैनिकों की तैनाती बढ़ाई जा रही है। जिससे चर्चा है कि अगर युद्धविराम पर सहमति नहीं बनती है तो अमेरिका ईरान के खिलाफ जमीनी आक्रमण कर सकता है। एक तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति ईरान के साथ बातचीत होने का दावा कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ ईरानी की सेना ने ट्रंप पर तंज कसा है। ईरानी सेना के प्रवक्ता ने ट्रंप के बातचीत के दावे का मजाक उड़ाया है। उन्होंने कहा कि श्अपनी हार को समझौते का नाम देने की कोशिश न करें। आपके वादों के युग का अंत हो रहा है। दुनिया में अब दो मोर्चे हैं, जिनमें से एक सच्चाई का है और एक झूठ का। आपकी अंदरूनी लड़ाई इस हद तक पहुंच गई है कि अब आप खुद से ही समझौते पर बात कर रहे हैं। इस क्षेत्र में आपके निवेश पर कोई बात नहीं होगी, न ही आप भविष्य में तेल और गैस की पुरानी कीमतों को वापस देखेंगे। आपको ये समझना होगा कि इस क्षेत्र की शांति और स्थिरता हमारी सेना के ताकतवर हाथों में है।श

बांग्लादेश: पूर्व पीएम हसीना ने यूनुस पर साधा निशाना, बोलीं- अंतरिम सरकार ने किया बलिदानियों के खून का अपमान

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में 25 मार्च को श्नरसंहार दिवसश के रूप में मनाया जा रहा है। हालांकि, इस बीच देश की राजनीति में उबाल आ गया है। दरअसल, पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने यूनुस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। हसीना ने कहा है कि जिस देश को लाखों शहीदों के खून से सींचा गया, वहां 1971 के नरसंहार के दोषियों को पुनर्वासित करने की साजिश रची जा रही है। अवामी लीग के सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर शेख हसीना ने एक संदेश जारी किया है। उन्होंने 1971 की उस खौफनाक रात को याद किया। उन्होंने कहा, ष25 मार्च 1971 की रात बांग्लादेशी लोगों के जीवन की सबसे भयावह रात थी। इसी रात पाकिस्तानी सेना ने श्ऑपरेशन सर्चलाइटश शुरू किया था। इस ऑपरेशन का मकसद बंगाली समुदाय का नामोनिशान मिटाना था। हसीना ने कहा कि महज 9 महीनों के भीतर 30 लाख से ज्यादा लोगों को मौत के घाट उतार दिया गया। उन्होंने कहा कि यह बर्बरता इतनी चरम पर थी कि बंगाली इतिहास में इसके लिए कोई शब्द तक नहीं था। इसीलिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसे नरसंहार का नाम दिया गया। इतना ही नहीं, बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने मोहम्मद यूनुस को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने अंतरराष्ट्रीय दबाव के बावजूद अपराधियों को सजा दिलाने का काम किया था। हसीना ने कहा, ष्यूनुस सरकार के कार्यकाल में न केवल ट्रायल को रोक दिया गया है, बल्कि सजायाफ्ता युद्ध अपराधियों को रिहा किया गया। हद तो तब हो गई जब मौत की सजा पाए एक युद्ध अपराधी को संसद का सदस्य तक बना दिया गया। यह उन लाखों शहीदों के बलिदान का अपमान है।ष पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि आज देश में एक चलन शुरू हो गया है। अब शहीदों की यादों को मिटाने और इतिहास को तोड़ने–मरोड़ने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी विचारधारा को फिर से बांग्लादेश में थोपा जा रहा है। यह मुक्ति संग्राम की भावना पर सीधा हमला है। हसीना ने देश की जनता से अपील की है।

उन्होंने कहा कि सभी लोग एकजुट हों और उन ताकतों का विरोध करें जो हत्यारों का पुनर्वास कर रही हैं। हसीना के इस बयान ने बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति में एक नई बहस छेड़ दी है, खासकर ऐसे समय में जब देश अपनी आजादी के इतिहास को सहेजने और भविष्य की दिशा तय करने के बीच खड़ा है।

टोक्यो में चीनी दूतावास में घुसने के आरोप में जापानी सैनिक गिरफ्तार, चीन ने जताया विरोध, मांगा जवाब

टोक्यो , एजेंसी। जापान के अधिकारियों ने बुधवार को एक जापानी सैनिक को गिरफ्तार करने की पुष्टि की है। इस सैनिक पर कथित रूप से टोक्यो में चीनी दूतावास में बिना इजाजत

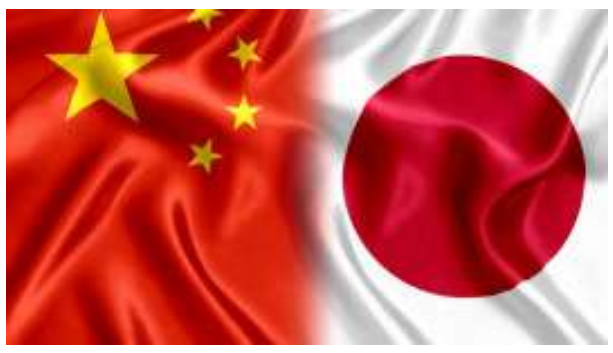

(अवैध रूप) से घुसने का आरोप है। चीन ने इस घटना पर विरोध ा जताया था, जिसके एक दिन बाद यह गिरफ्तारी हुई है। अब यह मामला जापान और चीन के बीच बढ़ते तनाव का नया केंद्र बन गया है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने बीजिंग में एक मीडिया वार्ता के दौरान बताया कि मंगलवार सुबह एक व्यक्ति दीवार फांदकर दूतावास परिसर में जबरन घुस आया। उस व्यक्ति ने खुद को जापानी आत्म–रक्षा बल का अधिकारी बताया था। टोक्यो पुलिस ने बुधवार को जानकारी दी कि गिरफ्तार व्यक्ति की उम्र 23 साल है और वह जापान की थल सेना (जीएसडीएफ) का सदस्य है। जापानी सेना ने पुष्टि की है कि संदिग्ध सैनिक मियाजाकी प्रांत के कैंप एबिनो में तैनात है। सेना के अधिकारी इस मामले में पुलिस का पूरा सहयोग कर रहे हैं। जापानी मीडिया ने पुलिस के हवाले से बताया कि यह सैनिक चीनी राजदूत को यह कहने के लिए दूतावास में घुसा था कि चीन जापान के प्रति अपना कड़ा रुख बंद करे। सैनिक के पास एक चाकू भी था। उसने धमकी दी थी कि अगर उसकी मांग नहीं मानी गई, तो वह खुद को मार लेगा। जापान के सरकारी चौनल एनएचके के अनुसार, उस व्यक्ति को मौके पर ही पकड़ लिया गया और आगे की जांच के लिए टोक्यो पुलिस को सौंप दिया गया। इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, उस व्यक्ति ने कथित तौर पर दूतावास की दीवार फांदी थी और वहां एक चाकू भी मिला है। चीन ने इस घटना पर गहरा दुख और गुस्सा जताया है। प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि जापान अपने सैनिकों को ठीक से नियंत्रित और अनुशासित करने में नाकाम रहा है। उन्होंने कहा कि जापान ने चीनी दूतावास और उसके कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपनी जिम्मेदारी पूरी नहीं की। चीन ने मांग की है कि जापान इस मामले की पूरी जांच करे, दोषी को सजा दे और चीन को इस पर स्पष्टीकरण दे। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब दोनों देशों के बीच तनाव काफी बढ़ा हुआ है। पिछले साल नवंबर में जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने कहा था कि ताइवान पर चीन की सैन्य कार्रवाई जापान के अस्तित्व के लिए खतरा बन सकती है और ऐसी स्थिति में बल प्रयोग की जरूरत पड़ सकती है। इसके बाद से ही चीन ने जापान के खिलाफ कूटनीतिक और व्यापारिक कड़े कदम उठाए हैं।

ईरान अमेरिका के साथ बातचीत के लिए तैयार, पर सिर्फ जेडी वेंस से करेगा बात, व्हाइट हाउस ने दिया ये जवाब

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया संकट के कूटनीतिक समाध ान पर बातचीत चल रही है।

इस बीच ईरान ने डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन को साफ संकेत दिया है कि वह अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ट्रंप के दामाद जेरेड कुश्नर के साथ दोबारा बातचीत नहीं करना चाहता। इसके बजाय तेहरान की प्राथमिकता अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ बातचीत करने की है। यह जानकारी अमेरिकी मीडिया संस्थान सीएनएन ने दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान का मानना है कि स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुश्नर के साथ बातचीत विश्वास की कमी के कारण प्रभावी नहीं होगी। गौरतलब है कि अमेरिका के ईरान पर हमले से पहले स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुश्नर ही ईरानी सरकार के साथ बातचीत कर रहे थे और वह बातचीत विफल रही थी। रिपोर्ट के अनुसार, जेडी वेंस युद्ध खत्म करने के समर्थक हैं और ऐसी रिपोर्ट्स आ चुकी हैं कि वेंस, ईरान पर हमले के पक्ष में नहीं थे। यही वजह है कि विटकॉफ, कुश्नर और यहां तक कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की तुलना में वेंस को संघर्ष खत्म करने के पक्ष में ज्यादा गंभीर माना जा रहा है। इससे पहले मंगलवार को ट्रंप ने कहा था कि उनकी कूटनीतिक टीम के सभी प्रमुख सदस्य वार्ता में शामिल हैं। उन्होंने कहा, श्जेडी (वेंस), मार्को (रुबियो), जेरेड कुश्नर, स्टीव विटकॉफ और मैं खुदकृसभी बातचीत प्रक्रिया में शामिल हैं।श ट्रंप ने यह भी दावा किया कि अमेरिका युद्ध जीत चुका है और ईरान की नौसेना व वायुसेना पूरी तरह तबाह हो चुकी है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि अमेरिका की ओर से बातचीत कौन करेगा, इसका फैसला केवल राष्ट्रपति ट्रंप ही करेंगे। उन्होंने कहा, श्राष्ट्रपति ट्रंप ही तय करते हैं कि अमेरिका की ओर से कौन बातचीत करेगा। जैसा कि उन्होंने आज कहा, उपराष्ट्रपति वेंस, विदेश मंत्री रुबियो, विशेष दूत विटकॉफ और श्री कुश्नरकृसभी बातचीत में शामिल रहेंगे। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के एक पोस्ट को साझा कर वॉशिंगटन–तेहरान तनाव में इस्लामाबाद की संभावित मध्यस्थ भूमिका को लेकर कूटनीतिक चर्चाओं को और तेज कर दिया है। दरअसल, शहबाज शरीफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में क्षेत्रीय संकट के समाधान के लिए पाकिस्तान की भूमिका निभाने की इच्छा जताई थी। उन्होंने कहा कि यदि दोनों पक्ष सहमत हों, तो पाकिस्तान अमेरिका और ईरान के बीच सार्थक और निर्णायक बातचीत की मेजबानी के लिए तैयार है ।

ट्रंप ने ईरान को भेजा 15 सूत्रीय युद्ध विराम प्रस्ताव, इस बीच सैनिकों की तैनाती भी बढ़ा रहा अमेरिका

वॉशिंगटन, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने ईरान को 15 सूत्रीय युद्धविराम प्रस्ताव पेश किया है। यह जानकारी एक ऐसे व्यक्ति ने दी, जिसे इसकी जानकारी है, लेकिन उसे सार्वजनिक रूप से इस मुद्दे पर बोलने की अनुमति नहीं है। यह युद्धविराम प्रस्ताव पाकिस्तान के मध्यस्थों के जरिए ईरान को सौंपा गया है। पाकिस्तान द्वारा ही अमेरिका और तेहरान के बीच मध्यस्थता बातचीत की मेजबानी की पेशकश की गई है। अमेरिका द्वारा ईरान को यह प्रस्ताव ऐसे समय भेजा गया है जब अमेरिकी सेना क्षेत्र में पहले से तैनात लगभग 50,000 सैनिकों के अलावा अपनी 82वीं एयरबोर्न डिवीजन से कम से कम 1,000 और सैनिकों को पश्चिम एशिया में तैनात करने की तैयारी कर रही है। द न्यूयॉर्क टाइम्स ने मंगलवार को अपनी रिपोर्ट में बताया था कि 15 सूत्रीय योजना ईरानी अधिकारियों को सौंप दी गई है। इस बीच, पेंटागन दो मरीन यूनिट्स की तैनाती की प्रक्रिया में भी है, जिससे क्षेत्र में करीब 5,000 मरीन और हजारों नाविकों की अतिरिक्त तैनाती की जाएगी। वहीं इस्राइल की सरकार, जो ट्रंप से ईरान के खिलाफ युद्ध जारी रखने की वकालत कर रही थी, वे अमेरिकी प्रशासन द्वारा युद्धविराम प्रस्ताव भेजे जाने से हैरान है। मध्य पूर्व में अतिरिक्त सैनिक और मरीन भेजने की अमेरिकी तैयारियों के बीच इस कदम को ट्रंप की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि युद्धविराम के चलते अमेरिका को आगे की रणनीति बनाने और सैनिकों की तैनाती का समय मिल गया है। ताकि ईरान अगर युद्धविराम पर सहमत नहीं होता है तो आगे के फैसलों को बेहतर तरीके से लागू किया जा सके। व्हाइट हाउस ने इस मामले पर टिप्पणी के अनुरोधों का कोई जवाब नहीं दिया। अमेरिका और ईरान के बीच संभावित बातचीत को कई बड़ी चुनौतियों का सामना कर सकती है। खासकर ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल और परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका की सख्ती अभी भी बनी हुई है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में कहा कि अमेरिका बातचीत कर रहा है और इसमें स्टीव विटकॉफ, जारेड कुश्नर, विदेश मंत्री मार्को रुबियो और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस शामिल हैं। वहीं, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची विभिन्न देशों के समकक्षों से चर्चा कर रहे हैं, लेकिन ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर ने अमेरिका के साथ सीधी वार्ता से इनकार किया है। ईरानी सेना ने भी साफ कहा है कि पूरी जीत तक सैन्य कार्रवाई जारी रहेगी। इस्राइल के ईरान पर हमले जारी हैं। वहीं ईरान ने भी इस्राइल पर हमले किए हैं। लेबनान, बहरीन, कुवैत और सऊदी अरब सहित पूरे क्षेत्र में हमले हुए हैं। इस्राइल ने बेरूत के दक्षिणी इलाकों में भी हमले किए, जहां ईरान समर्थित हिजबुल्लाह के ठिकानों को निशाना बनाने का दावा किया गया। इस बीच, लेबनान ने ईरान के राजदूत को देश छोड़ने का आदेश दे दिया है और ईरानी उड़ानों पर भी प्रतिबंध ा लगा दिया गया है। इससे ईरान और लेबनान के संबंधों में भी तनाव बढ़ गया है।

ईरान युद्ध का झटका: नए घरों में सोलर पैनल और हीट पंप अनिवार्य, ब्रिटेन का फैसला, ऊर्जा सुरक्षा के लिए अहम कदम

लंदन, एजेंसी। ईरान युद्ध से पैदा हुए वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच ब्रिटेन ने ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने इंग्लैंड में बनने वाले सभी नए घरों में सोलर पैनल और हीट पंप अनिवार्य करने का एलान किया है, ताकि जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता घटाई जा सके। ब्रिटेन सरकार ने मंगलवार को नए नियम पेश करते हुए स्पष्ट किया कि यह कदम नीति–निर्माताओं की ओर से ईरान युद्ध के आर्थिक और ऊर्जा प्रभावों के जवाब के रूप में देखा जा रहा है। सरकार के अनुसार, यह पहल फ्यूचर होम्स स्टैंडर्ड का हिस्सा है, जो 2028 से लागू होगा।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।